डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 सितंबर 2025
शुक्रवार

आज का मौसम
33 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

देहरादून में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते युवा।

लद्दाख से देहरादून | खुफिया एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती

शहर-दर-शहर सरकार के खिलाफ एक सा पैटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में युवाओं के आंदोलनों बढ़ते जा रहे हैं लेकिन देखा जाए तो सभी में पैटर्न लगभग एक जैसा है। पहले कानपुर, लखनऊ, बरेली, नागपुर और हैदराबाद। उसके बाद लेह-लद्दाख और अब उत्तराखंड के काशीपुर और देहरादून। सवाल यह है कि क्या यह महज संयोग है या फिर सोची-समझी रणनीति, जिसके जरिए सरकार को घेरने और युवाओं को मोहरा बनाने की कोशिश की जा रही है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अराजकता फैलाने वालों पर कोई ढील नहीं दी जाएगी। एजेंसियां साजिश की तह तक जाने में जुटी हैं।

नेपाल के बाद भारत में 'जेन जेड' गुस्साया

नेपाल में हाल ही में हुए 'जेन जेड' आंदोलन का असर अब भारत में दिखाई दे रहा है। वहां युवाओं को आगे रखकर आंदोलन खड़ा किया गया। अब भारत में भी उसी तर्ज पर माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। शुरुआत 'आई लव मोहम्मद' के नाम पर जुलूस निकालने और पुलिस पर हमला करने से हुई। फिर लेह-लद्दाख में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर अराजकता फैलाई गई। अब उत्तराखंड में पेपर लीक को मुद्दा बनाकर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं।

देहरादून में नेपाल जैसे नारे

काशीपुर में पुलिस के साथ मारपीट की गई और देहरादून में 'नेपाल बनाने' की धमकी दी। 'आजादी' के नारे लगाए गए। हिंदू आस्था को भी टारगेट किया गया। नारेबाजी का पैटर्न भी हर जगह एक जैसा दिखा। कहीं 'वोट चोर गद्दी छोड़' तो कहीं 'पेपर चोर गद्दी छोड़ '। सरकारी एजेंसियों का मानना है कि मकसद केवल गुस्सा दिखाना नहीं बल्कि सरकार को अस्थिर करना है। खुफिया एजेंसियां इन घटनाओं पर नजर रख रही हैं। श्रीलंका व बांग्लादेश में भी यही पैटर्न देखा गया था, जहां युवाओं के कंधों पर रखकर सरकार विरोधी आंदोलन चलाए गए। आशंका जताई जा रही है कि भारत में भी कहीं विदेशी फंडिंग या बाहरी ताकतें तो इन प्रदर्शनों को हवा नहीं दे रहीं।

राहुल गांधी का बयान और नया रंग

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि 'देश की 'जेन जेड' संविधान बचाएगी, लोकतंत्र की रक्षा करेगी और वोट चोरी रोकेगी। ' उनका यह बयान भी मौजूदा हालात में राजनीतिक रंग भरता दिखाई देता है। सवाल उठ रहा है कि क्या विपक्ष इन आंदोलनों को सपोर्ट कर रहा है या फिर यह सब एक बड़े प्लान का हिस्सा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में एक जैसे नारे और हिंसक प्रदर्शन यह साबित करते हैं कि यह महज लोकल इश्यूज का गुस्सा नहीं है, यह एक पैटर्न है, एक एजेंडा है। नेपाल से लेकर श्रीलंका तक जो ट्रेंड देखा गया था वही अब भारत में दोहराने की कोशिश हो रही है।

लेह लद्दाख का हीरो अचानक विलेन कैसे बन गया?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

जब लेह लद्दाख की बात हो और वहां के पर्यावरणविद तथा शिक्षा के नवाचारी सोनम वांगचुक बात न हो तो भारत के उत्तरी मुहाने पर चीन से सटे लद्दाख की कहानी पूरी नहीं होती। लेकिन बुधवार यानि 24 सितंबर को लद्दाख में सोनम वांगचुक के आमरण अनशन की आड़ में चल रहे आंदोलन में जुटे युवाओं की भीड़ के हिंसक होने के बाद केंद्र सरकार सख्त हो गई है। भाजपा ने वीडियो जारी करके वांगचुक के समर्थन में जुटी भीड़ को हिंसक बनाने के पीछे सीधे कांग्रेस को दोषी ठहराया है। हिंसा शुरू होते ही वांगचुक अपना आमरण अनशन छोड़ एम्बुलेंस की मदद के बगैर अपने गांव लौट गए।

वैसे तो सोनम वांगचुक 1988 में बने संगठन स्टुडेंट एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख यानि सेकमोल के जरिए पर्यावरण और जलवायु से जुड़े मुद्दों के साथ एनजीओ बनाकर नवाचार कर रहे हैं। फिर उन्होंने हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ आल्टरनेटिव लद्दाख (हेयल) जैसी संस्था भी बनाई। उनकी इस संस्था को संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावा स्विस यूनिवर्सिटी तथा कुछ इटालियन संगठनों से भी विदेशी मदद मिली है उनके एनजीओ को एफसीआरए (फारेन कंट्रब्यूशन रेग्युलेशन एक्ट) के तहत मंजूरी भी मिली थी। लेकिन अब इसका लायसेंस केंद्र ने रद्द कर दिया है। हालांकि वांगचुक कहते आए हैं कि उन्हें विदेशी संस्थाओं से यह मदद शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के तहत मिली। वांगचुक ही हीरो जैसी छवि के चलते फिल्म निर्देशक राजकुमार हीरानी ने थ्री इडियट फिल्म भी बनाई जो सुपर डुपर हिट हुई। बहरहाल 2009 में यह फिल्म रिलीज होने के बाद सोनम वांगचुक का नाम लोगों के जेहन में आया क्योंकि वह उनके ही कैरेक्टर को केंद्र में रखकर बनाई गई थी।

लद्दाख के पर्यावरण को क्षति के नाम पर उद्योगों का विरोध और दसवीं फेल बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा देने वाले नवाचारी वांगचुक आंदोलनकारी बनने लगे। कश्मीर से धारा 370 और 35 ए के हटने के बाद जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के तीन हिस्सों में विभाजन और राज्य के केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील होने के बाद से वांगचुक का आंदोलन सामाजिक से राजनीतिक होने लगा। 2024 में उन्होंने आमरण अनशन लोकसभा चुनावों के ऐन पहले शुरू करके 97 फीसदी आदिवासी आबादी के नाम पर संविधान के तहत इसे छठी अनुसूची में डालने जैसी मांग उठाना शुरू कर दी। अभी छठी अनुसूची असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा सहित दस राज्यों में है। इसके तहत आदिवासी इलाके को स्वायत्तशासी बनाकर कई विशेष अधिकार दिए जाते हैं। उत्तर पूर्व के शेष तीन राज्यों मणिपुर, नागालैंड और अरूणाचल के कुछ हिस्सों में पांचवी अनुसूची लागू है जिसके तहत थोड़े कम अधिकार जनजातियों को मिले हुए हैं। इसी बीच कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नासिर मुंशी वांगचुक के आंदोलन में कूद पड़े। नासिर मुंशी कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के संयोजक भी हैं। उनके साथ लेह अइपेक्स बॉडी (लैब) जैसा संगठन भी जुड़ गया। नासिर मुंशी ने उनकी मांगों को विस्तार देते हुए लद्दाख के साथ लेह और कारगिल में लोकसभा सीट की मांग के साथ राज्य लोकसेवा आयोग जैसी कई मांगें भी जोड़ दीं। उनकी भारत सरकार के गृह मंत्रालय के साथ इन मुद्दों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस ने नासिर मुंशी की पहल के चलते प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा जिसमें केवल अनुसूची छह की मांग की थी। मुंशी ने 19 जुलाई को केडीए और लैब जैसे संगठनों के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के इस रवैये पर ऐतराज जताया कि उन्होंने केवल छठी अनुसूची की मांग करके अन्य प्रमुख मुद्दों को छोड़ दिया। उन्होंने मांग की कि खड़गे और राहुल पीएम को फिर से चिठ्ठी लिखकर लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने, राज्य लोक सेवा आयोग बनाने और लेह तथा कारगिल में लोकसभा की अलग सीटें बनाने की मांग उठाएं। वांगचुक को लेकर केंद्र सरकार तब चौंकी जब वे इसी साल फरवरी में पाकिस्तान का दौरा करके लौटे? वैसे तो सीबीआई ने विदेशों से मिल रही मदद की जांच 2022 में ही शुरू कर दी थी। बुधवार की हिंसा के बाद केंद्र सरकार अब विदेशों से मिली करीब नौ करोड़ की मदद की जांच फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) के तहत कर सकती है। प्रर्वतन निदेशालय भी मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत उन पर कार्रवाई कर सकता है। भारत सरकार ने लद्दाख में हिंसा के प्रति कड़ा रूख अपनाते हुए केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों की सात टुकड़ियां भी भेज दी है, जबकि आईटीबीपी की पांच कंपनी पहले से ही तैनात थी। इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी के साथ ही प्रतिबंधित धाराओं को भी लगाया गया है। क्योंकि इसमें ऊपरी लेह इलाके के कांग्रेसी पार्षद स्तांजिन त्सेपांज को हिंसक भीड़ की अगुआई करते देखा गया है। कांग्रेसी त्सेपांज सहित 50 लोगों की गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर की है।

पर्यावरण की रक्षा से युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे तक...

इस पूरे प्रकरण में सोनम वांगचुक के रवैये में बदलाव की बात भी चौंकाने वाली है। जो कभी लद्दाख के पर्यावरण की रक्षा के नाम पर रोजगार के नए साधन जुटाने के लिए औद्योगिकीकरण का विरोध करते थे। उनकी दलील यह भी थी कि तिब्बत में जिस तरह चीनियों से घुसकर तिब्बतियों को बाहर किया है वैसा ही लद्दाख में भी हो सकता है। लेकिन नेपाल के जेन जेड आंदोलन के बाद वे युवाओं की बेरोजगारी की बात को हवा देने लगे। जिसका फायदा उठाकर खुराफाती लोगों ने आंदोलन को हिंसा की आग में झोंक दिया। यह तब हुआ जब लद्दाख की मांगों को लेकर दिल्ली में छह अक्टूबर को पहले से ही उच्च स्तरीय बैठक रखी गई थी। इससे उपद्रवकारियों की मंशा शक के दायरे में आ जाती है कि वे लद्दाख के युवाओं के हितों की सोच रहे थे या विदेशी इशारों पर लद्दाख में अशांति फैलाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की फिराक में हैं। बहरहाल जो भी हालात हों, केंद्र सरकार खासतौर से नरेंद्र मोदी और उनके दाहिने हाथ माने जाने वाले अमित शाह के सिर पर इस मसले को निपटाने की बड़ी चुनौती आ गई है। वांगचुक की गिरफ्तारी क्या केंद्र करेगा, और ऐसा होता है तो आंदोलन शांत होगा या और हिंसक होगा? इन तमाम सवालों का जवाब तो केंद्र की अगली रणनीति से ही मिलेगा।

न्यूज विंडो

अब दवा पर 100 फीसदी टैरिफ से भारत की जेनेरिक इंडस्ट्री पर संकट

रोजाना बदलते बेतुके ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का टैरिफ बम लगातार फट रहा है। अब ट्रंप ने विदेशी दवा पर टैरिफ लगाया है। एलान किया गया है कि फार्मा प्रोडक्ट्स यानी दवाओं के आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगेगा। विदेशी दवाओं पर यह टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। इस कदम से फार्मा इंडस्ट्री में हड़कंप मचने की संभावना है। टेरिफ ब्रांडेड या पेटेंटेड उत्पादों के आयात पर रहेगा। यह टैरिफ तभी माफ किया जाएगा जब कंपनियां अमेरिका में अपने प्लांट का निर्माण शुरू करें। माना जा रहा है कि भारतीय दवा कंपनियों के लिए यह टैरिफ एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा फार्मा निर्यात बाजार है। वहां सस्ती जेनेरिक दवाओं की भारी मांग रहती है। यही कारण है कि भारत पर भी इसका असर पड़ने की संभावना है।

न्याय कर सकें पति, तभी इस्लाम में बहुविवाह मान्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है कि इस्लाम में बहु विवाह को केवल उसी स्थिति में इजाजत है, जब पुरुष अपनी सभी पत्नियों के साथ समान न्याय कर सकें। केरल हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी एक रिवीजन याचिका का निपटारा करते हुए की। यह याचिका फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें एक पत्नी द्वारा अपने पति से 10 हजार रुपए मासिक भरण-पोषण की मांग को खारिज कर दिया गया था। पति नेत्रहीन है और भीख तथा पड़ोसियों की सहायता पर निर्भर रहता है। याचिकाकर्ता पत्नी का आरोप था कि उसका पति, पहले से दो शादियां होने के बावजूद, तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।

बिहार में चुनावी गिफ्ट, मोदी बोले लालटेन राज भ्रष्टाचारी था...

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी

बिहार चुनाव और दिवाली से पहले पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार ने महिलाओं को बड़ा गिफ्ट दिया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत 75 लाख महिलाओं को उनके खाते में 10-10 हजार रुपए भेजे गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल पर निशाना साधते हुए कहा कि जब लालटेन का राज था, तब बिहार में बहुत भ्रष्टाचार था। आरजेडी के राज में कोई भी घर में सुरक्षित नहीं था। सबसे ज्यादा मार महिलाओं ने झेली है। महिलाओं ने आरजेडी नेताओं के अत्याचार को भी देखा है, लेकिन नीतीश राज में बेटियां बेखौफ घूमती हैं। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। नीतीश सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए बड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हम महिलाओं को बचाने के लिए उज्ज्वला योजना लेकर आए हैं। उन्होंने कहा, जब कोई सरकार महिलाओं को केंद्र में रखकर कोई नीति बनाती है, तो उसका फायदा समाज के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ता है। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान। इस अभियान के सवा चार लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर गांव-गांव और कस्बों में लगाए जा रहे हैं।

अलविदा... मिग-21

चंडीगढ़, एजेंसी। छह दशक तक आसमान में राज करने वाले मिग-21 ने चंडीगढ़ एयरबेस के आसमान में फेयरवेल सेरेमनी के दौरान आज अंतिम उड़ान भरी। विमान ने उड़ान भरते हुए संदेश दिया 'मैं यह गौरव अगली पीढ़ी को सौंपता हूं'। विदाई के अवसर पर वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के नेतृत्व में पायलट्स ने अंतिम उड़ान भरी।

मेट्रो एंकर | हमले के पहले हुई थी रिकॉर्डिंग, जमीन के इस्तेमाल पर सैफुल्लाह ने पाक को कहा- शुक्रिया

पहलगाम हमले की साजिश रचने वाले लश्कर सरगना का वीडियो आया, हिंदुओं को खत्म कर भारत में इस्लाम का राज लाने की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की जमीन पर फल-फूल रहे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मिलिट्री सरगना सैफुल्लाह कसूरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उसे हिंदुओं और भारत के खिलाफ जहर उगलते देखा जा सकता है। वह खुलेआम हिंदुओं का भारत से सफाया करने और इस्लाम का राज लाने का ऐलान कर रहा है। यह वीडियो पहलगाम हमले से कुछ दिन पहले का बताया जा रहा है, जो इस बात का सबूत है कि पहलगाम में मासूम पर्यटकों पर बर्बर हमले की साजिश पाकिस्तान में ही रची गई थी। पहलगाम हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। मरने वालों में सभी पुरुष थे।आतंकवादियों ने अधिकांश का धर्म पूछकर उन्हें पास से गोली मारी थी। खास बात है कि कसूरी खुद अपने संबोधन में इसे लश्कर-ए-तैयबा के मुरीदके हेडक्वार्टर से दिया गया बता रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत लश्कर के इस हेडक्वार्टर पर हमला बोला था। बाद में पाकिस्तानी सेना ने झूठा दावा किया था कि यह आतंकवादी अड्डा नहीं, बल्कि एक मस्जिद है। रिपोर्टों में बताया गया है कि सैफुल्लाह कसूरी ने ही पहलगाम हमले की साजिश रची थी।

वायरल वीडियो में सैफुल्लाह कसूरी कहता है कि ये (आतंकवादी) काफिले न रुकेंगे, न थमेंगे और न झुकेंगे। ये आगे बढ़ते जाएंगे और तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक सारे हिंद पर ला इलाहाइल्लाह (इस्लाम) का परचम नहीं लहरा देंगे। उसने आगे कहा कि इंशाअल्लाह ये दौर आने वाला है और किसी को मायूस या खुद जो कमतर नहीं समझना चाहिए।

पूर्व से पश्चिम तक इस्लामी राज का ख्वाब

भारतीयों और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगलते हुए उसने कहा कि हमने हर मैदान में दुश्मन को चारों खाने चित किया है। ये बुतपरस्त (मूर्तिपूजक) हिंदू हमारे सामने क्या है? इंशाअल्लाह, हिंदुस्तान और बुतपरस्त हिंदुओं का सफाया होने वाला है और पूर्व से पश्चिम तक इस्लाम का राज आने वाला है। उसने इस दौरान पाकिस्तान की जमीन को आतंकवाद के लिए इस्तेमाल करने देने के लिए शुक्रिया भी अदा किया और इसे अल्लाह की इनायत बताया। कसूरी के इस जहरीले और नफरत भरे भाषण के बाद 22 अप्रैल को 2025 जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमला किया गया था। ये हत्याएं अचानक किया गया आतंकवादी हमला नहीं था, बल्कि इसकी पहले से बैठकर योजना बनाई गई थी। हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने इसकी जिम्मेदारी ली थी।

पहले तीन बार हो चुकी है घोषणा, अब किया जा रहा दावा

शहर में ई-बसों के लिए और दो महीने का इंतजार करना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद अब बीसीएलएल ने दिसंबर से ई-बसों को सड़कों पर उतारने का नया दावा किया है। इससे पहले तीन बार इस प्रकार की घोषणा की जा चुकी है। यदि इस बार ये दावा सही साबित हुआ तो जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

जनता अभी जैसे तैसे ई-रिक्शा और ब्लू लाइन बसों के सहारे अपना सफर तय कर रही है। ये हाल तब है जब लोगों ने महंगी दरों पर महापौर पास खरीदकर लो फ्लोर बसों में सफर का सपना देखा था। पीएम ई-बस सेवा के फेस-1 में 100 बसें मिलेंगी। इसके लिए दो नए डिपो संत हिरदाराम नगर और कस्तूरबा नगर में बनाए जा रहे हैं। नए बस ऑपरेटर का चयन भी हो चुका है। वहीं, दूसरे फेस में 95 बसें आएंगी। आरिफ नगर और कोलार

रोड पर नए डिपो बनेंगे।

बीसीएलएल के चार बस ऑपरेटर्स 94 प्रतिशत बसें डिपो में बंद हो चुकी हैं। 368 में से सिर्फ 95 सिटी बसें चलने पर सांसद आलोक शर्मा ने भी हैरानी जताई। सांसद शर्मा ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से पूछा था कि किस ऑपरेटर की कितनी बसें चल रही हैं, ये बताएं। इतनी संख्या में बसें क्यों बंद हुईं जबकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को तो बढ़ाना चाहिए। सांसद की बात से विधायक भगवानदास सबनानी ने भी सहमति जताई थी।

विस तक उठ चुका मामला

शहर की सड़कों से एक साल में ढाई सौ सिटी बसें गायब होने का मुद्दा विधानसभा में भी उठा है। 25 रूट पर चलने वाली 368 बसों में से अभी सिर्फ 95 बसें ही दौड़ रही हैं। ऐसे में महिला, स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। हर रोज करीब 1 लाख लोग परेशान हो रहे हैं।

महापौर पास सुविधा भी मिलेगी

ई-बसों में भी महापौर पास की सुविधा नागरिकों को दिए जाने का प्रस्ताव है। इसके लिए ऑपरेटर्स को अलग से राशि जारी की जाएगी। इसके तहत छात्र-छात्राएं, दिव्यांगजन, महिला, सीनियर सिटीजन, कर्मचारियों को महापौर स्मार्ट पास के जरिए अलग अलग श्रेणी में कम दरों पर यात्रा कर सकेंगे।

भोपाल के चित्रकूट कॉलोनी की दुर्गा जी की झांकी

हमीदिया हॉस्पिटल की दुर्गा जी की झांकी

शहर में विराजी माता रानी।

मैनिट चौराहा स्थित आदर्श दुर्गा उत्सव समिति ने राम दरबार व मथुरा पैटर्न पर तैयार की झांकी।

डीपीसी यादव ने प्रभार से दिया इस्तीफा, डिप्टी कलेक्टर गुप्ता को जिम्मेदारी

भोपाल. जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ जिला परियोजना समन्वयक डॉ. आरके यादव ने कलेक्टर को इस्तीफा दे दिया है। कलेक्टर ने इस्तीफा मंजूर करते हुए अब जिला शिक्षा केंद्र का जिम्मा डिप्टी कलेक्टर भुवन गुप्ता को सौंपा है। करीब चार महीने पहले भोपाल डीपीसी रहे ओपी शर्मा को लेन-देन की आडियो रिकार्डिंग वायरल होने के बाद हटा दिया गया था। इसके बाद प्रभार डॉ. आरके यादव को सौंपा। बताया जा रहा है कि डीपीसी यादव ने कलेक्टर से प्रभार से मुक्त करने का अनुरोध किया था। डॉ. यादव ने स्वास्थ्य कारणों से प्रभार से मुक्त करने की बात बताई है। जिसे कलेक्टर ने स्वीकार करते हुए भोपाल डीपीसी का प्रभार डिप्टी कलेक्टर भुवन गुप्ता को दिया है।

सरकारी स्कूल की गहरी हुई दरारें, आयोग ने दिए जांच के निर्देश

कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मामले की जांच कराकर मांगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के नीलबड़ क्षेत्र के पास मुंगालिया छाप गांव के शासकीय प्राथमिक स्कूल भवन की हालत जर्जर होने का मामला सामने आया है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल के शौचालय के ऊपर न तो छत है और न ही सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम है। वहीं स्कूल परिसर में सेप्टिक टैंक भी धंस गया है। इस कारण वहां खेलने वाले बच्चे कभी भी हादसे का शिकार हो सकते है। स्कूल की दीवारों में दरारें आ गई है और कभी-भी वह गिर सकती है। जिससे ब?ा हादसा होने का भी खतरा बना हुआ है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा कई बार शिक्षा विभाग और जिला पंचायत को शिकायत की गई है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

आठ साल बाद सितंबर में ही मानसून की विदाई की शुरुआत

सीजन में अब तक अब तक 1118.5 मिमी बारिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से मानसून की विदाई शुक्रवार से शुरू हो गई है। पिछले सालों में आमतौर पर मानसून की विदाई अक्टूबर माह में ही हुई है, लेकिन इस बार तय समय पहले मानसून की विदाई प्रदेश के उत्तर पश्चिमी हिस्से से शुरू हो गई है। इस बार प्रदेश में मानसून पूरे 100 दिन सक्रिय रहा है।

प्रदेश में मानसून की इंट्री 16 जून को हुई थी, जबकि वापसी 24 सितंबर को हो रही है। सात साल बाद मानसून सितंबर में विदा हुआ है। इसके पहले 2017 में 30 सितंबर और 2015 में 29 सितंबर को विदा हुआ था। इसी प्रकार भोपाल सहित प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों से मानसून की विदाई में थोड़ा समय लग सकता है। भोपाल से अक्टूबर के पहले सप्ताह में ही विदाई की उमीद जताई जा रही है। प्रदेश में मानसून की विदाई सितंबर के आखिरी सप्ताह में होती है। नीचम से सामान्यत 26 सितंबर से मानसून की विदाई शुरू होती है। इस लिहाज से पिछले दस सालों में पहली बार समय से पहले मानसून विदा हुआ है। प्रदेश के नीमच, श्योपुर, मुरैना और भिंड जिलों से बुधवार को मानसून की वापसी हो गई है। मौसम विभाग

आगे कुछ हिस्सों में बारिश की उम्मीद

प्रदेश के उत्तर पश्चिमी हिस्सों से मानसून की भले ही विदाई हो गई हो लेकिन पूरे प्रदेश से मानसून विदा होने में थोड़ा समय लग सकता है। खासकर दक्षिण, पूर्वी हिस्से के साथ मध्यक्षेत्र के कुछ हिस्सों से मानसून की विदाई अक्टूबर के पहले सप्ताह या उसके बाद ही होने के आसार है। इसका कारण यह है कि यांमार तट पर हवा की ऊपरी भाग में चक्रवर्ती हवा का घेरा बना है जो गुरुवार से कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित होने की संभावना है । यह 26 सितंबर को दक्षिण उड़ीसा और उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे लगे क्षेत्र में कम दबाव के क्षेत्र के रूप में बनेगा।

का अनुमान है कि अगले दो तीन दिनों में कुछ और जिलों से मानसून की वापसी हो सकती है, हांलाकि आने वाले एक दो दिनों में एक और सिस्टम बंगाल की खाड़ी की ओर सक्रिय होने की उमीद है।

काव्य चौपाल में एक शाम गीत - ग़ज़लों के विविध रंगों के नाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच की प्रदेश इकाई द्वारा काव्य चौपाल का आयोजन लघुकथा शोध केंद्र में आयोजित किया गया। यह शाम कविताओं, गीतों व ग़ज़लों के विविध रंगों से रंगी दिखी। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. नीलिमा रंजन ने अपनी कविता 'चीर हरण ' से की। चीरहरण- हर युग में उठो द्रौपदी, तुम हो स्त्री, महाकाली, दण्डित करो करोगी तुम ! करोगी तुम ! विजयी हो ! विजयी हो... सरोज लता सोनी ने माँ की आराधना में देवी गीत प्रस्तुत किया- मां तो सबकी मां होती है, यह जाने दुनिया सारी..... नौ रूपों में नहीं सिमटती, मां के रूप हजारी..... डॉ. क्षमा पांडेय ने 'मानव' शीर्षक से काव्य पाठ किया। मुखौटे फेंक दें नकली बनें इंसान के खातिर। लगे हममें कि कोई तो अभी इंसान है असली । मधूलिका सक्सेना मधु आलोक ने वर्षा ऋतु पर आधारित कविता 'दामिनी 'अनूठे अंदाज़ में पढ़ी। दामिनी दमकी रही बदरा के बीच-बीच, गोरी अकुलाय रही नैनन को मीच-मीच। घनश्याम मैथिल अमृत ने वास्तविकता के करीब चुनिंदा क्षणिकाएँ पढ़ी। उनकी इन पंक्तियां को श्रोताओं की खून सराहना मिली -

जब से बच्चे ठीक ठाक कमाने लगे, मां बाप के पास कम आने लगे, मुजफ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने अपने अनूठे अंदाज़ में ग़ज़ल की प्रस्तुति दी - वो चाहता है कि एक रोज मिल ही जाऊँ उसे मैं जानता हूँ कि एक रोज का मिलना भी कोई मिलना है। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने स्वरचित ग़ज़ल पढ़ कर वाहवाही लूटी। मेरे दिल में उसका ख्याल था मेरे ख्वाब में वो जमाल था। वह थी चंद लम्हों की दास्तान वही जिंदगी भी ठहर गई। ग्रामीण चौपाल की तर्ज़ पर आधारित काव्य चौपाल एक अनऔपचारिक कार्यक्रम है, जिसमें कुछ लोग मिल कर बैठते हैं, आपस में कविताएं सुनते हैं व सुनाते हैं । साथ ही कुछ साहित्यिक चर्चा का आनंद लेते हैं ।

माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा का परिणाम जारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने गुरुवार को माध्यमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2024 का परिणाम जारी कर दिया है। यह परीक्षा मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत कुल 9,882 पदों पर शिक्षकों की सीधी भर्ती के लिए आयोजित की गई थी। अभ्यर्थी अपना परिणाम ई.एस.बी की वेबसाइट से डाउनलोड या मुद्रित कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि चयन परीक्षा का आयोजन 20 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 तक मध्यप्रदेश के 11 प्रमुख शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन में किया गया था। परीक्षा विभिन्न विषयों हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, खेल, संगीत (गायन-वादन) एवं नृत्य में आयोजित की गई थी। कुल 1,85,065 अभ्यर्थियों ने विभिन्न विषयों में पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1,60,360 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

हर 15 दिन में समीक्षा

भोपाल. लोक निर्माण विभाग के 15 करोड़ या इससे अधिक राशि के काम की अब हर 15 दिन में समीक्षा होगी। कामों की मॉनीटरिंग बढ़ाकर काम की गति बढ़ाने विभाग की ओर से ये निर्देश दिए गए। प्रति पंद्रह दिन में ईई व एसई स्तर पर कामों की समीक्षा होगी। इन कामों की समीक्षा के आदेश जारी किए गए हैं।

मेट्रो एंकर — श्रीरामलीला उत्सव: रोजाना प्रसंगों को जीवंतता के साथ अनुभूत कर रहे दर्शक

श्राप से मुक्ति पाने स्दादुस के अनुरोध पर हनुमान जी ने पीठ पर 3 बार किया प्रहार, ताकि पंख फिर से आ आएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्रीराम के आदेश पर हनुमान लंका की स्थिति का पता लगाने जाते हैं। मार्ग में उन्हें बिना पंख का स्दादुस पक्षी मिलता है। हनुमान उसका मजाक उड़ाते हैं, तब स्दादुस उत्तर देता है- 'पूर्वजन्म में मैंने शिवजी की पत्नी का उपहास किया, इसलिए मुझे श्राप मिला और मेरे पंख नहीं उगे। पंख तब ही उगेंगे जब रीम का सैनिक मेरी पीठ पर तीन बार प्रहार करे।' हनुमान कहते हैं मैं ही राजकुमार रीम का सैनिक हनुमान हूं। स्दादुस के अनुरोध पर हनुमान उसकी पीठ पर तीन बार प्रहार करते हैं ताकि उसके पंख फिर से उग आएं। बदले में वह हनुमान को लंका का मार्ग दिखाने का वचन देता है, जिससे हनुमान राक्षस क्रोंग रीप (रावण) को ढूंढ़ सकें। इसके बाद जब हनुमान और राक्षस आमने-सामने होते हैं, तो उनके बीच भीषण युद्ध छिड़ जाता है। यह लीला श्रीरामलीला उत्सव में वियतनाम के ग्रुप ने दिखाया। रामायण का खमेर संस्करण स्दादुस ने दिखाया मार्ग, तब राक्षस क्रोंग रीप (रावण) से हनुमान ने युद्ध किया। सात दिवसीय 'अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव' के तीसरे दिन वियतनाम के कलाकारों ने रीम केर नृत्य नाटक की प्रस्तुति रोबाम (पारंपरिक मुखौटा नृत्य-नाटक) के जरिए दी। यहां उन्होंने रामायण का खमेर संस्करण पेश किया। संस्कृति विभाग द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, नई दिल्ली के सहयोग से रवींद्र भवन में आयोजित की जा रही है।

गंगा नदी के तट पर श्रीराम, सीता जी और लक्ष्मण पहुंचे

श्रीलाला गुरुकुल संस्थान, चित्रकूट के कलाकारों द्वारा रामकथा के विविध प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया। इसमें दिखाया गया कि वनगमन के मार्ग में गंगा नदी के तट पर श्रीराम, सीता जी और लक्ष्मण पहुंचे। उन्हें गंगा पार करनी थी। उस समय नाविक केवट ने नाव लेकर आने से पहले विनम्रता से कहा - 'जैसे पत्थर को आपने चरणस्पर्श से स्त्री बना दिया, वैसे कहीं मेरी नाव भी स्त्री न बन जाए। पहले मैं आपके चरण पखारूंगा, तभी नाव में बैठने दूंगा।' इस प्रसंग की प्रस्तुति में नाव और नदी को कलाकारों ने मंच पर जीवंत कर दिया। भरत-कैकेयी संवाद- भरत को जब ज्ञात हुआ कि भैया राम वन को चले गए हैं। उन्होंने माता कैकेयी से पूछा। जवाब सुन उनका हृदय ग्लानि और रोष से भर गया। उन्होंने कहा 'मैं राज्य को कभी नहीं स्वीकारूंगा। यह केवल श्रीराम का ही है।'

ज्योतिर्विज्ञान डिप्लोमा के लिए आवेदन 30 अक्टूबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान एक वर्षीय व्यवहारिक ज्योतिर्विज्ञान (ज्योतिष) और व्यावहारिक वास्तु शास्त्र डिप्लोमा कोर्स शुरू कर रहा है। डिप्लोमा के लिये एमपी ऑनलाइन के माध्यम से 25 सितंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। आवेदन 30 अक्टूबर 2025 तक किये जा सकेंगे। इसके लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता माध्यमिक शिक्षा मंडल अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कक्षाएं एक नवम्बर 2025 से ऑनलाइन प्रारंभ की जायेंगी। ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से ज्योतिर्विज्ञान कक्षाओं का संचालन सप्ताह में 3 दिवस सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं व्यावहारिक वास्तु शास्त्र कक्षाओं का संचालन सप्ताह में 3 दिवस मंगलवार, गुरूवार, शनिवार को किया जायेगा। ऑनलाइन कक्षाओं का केन्द्र महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल के सेकण्ड स्टॉप स्थित संस्कृत भवन रहेगा। पाठ्यक्रम से संबंधित नियम तैयार कर लिये गये हैं। पाठ्यक्रम विवरण, प्रश्न पत्र एवं अन्य जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

गज महोत्सव की धूम : मन पसंद भोजन का लुत्फ उठा रहे हाथी

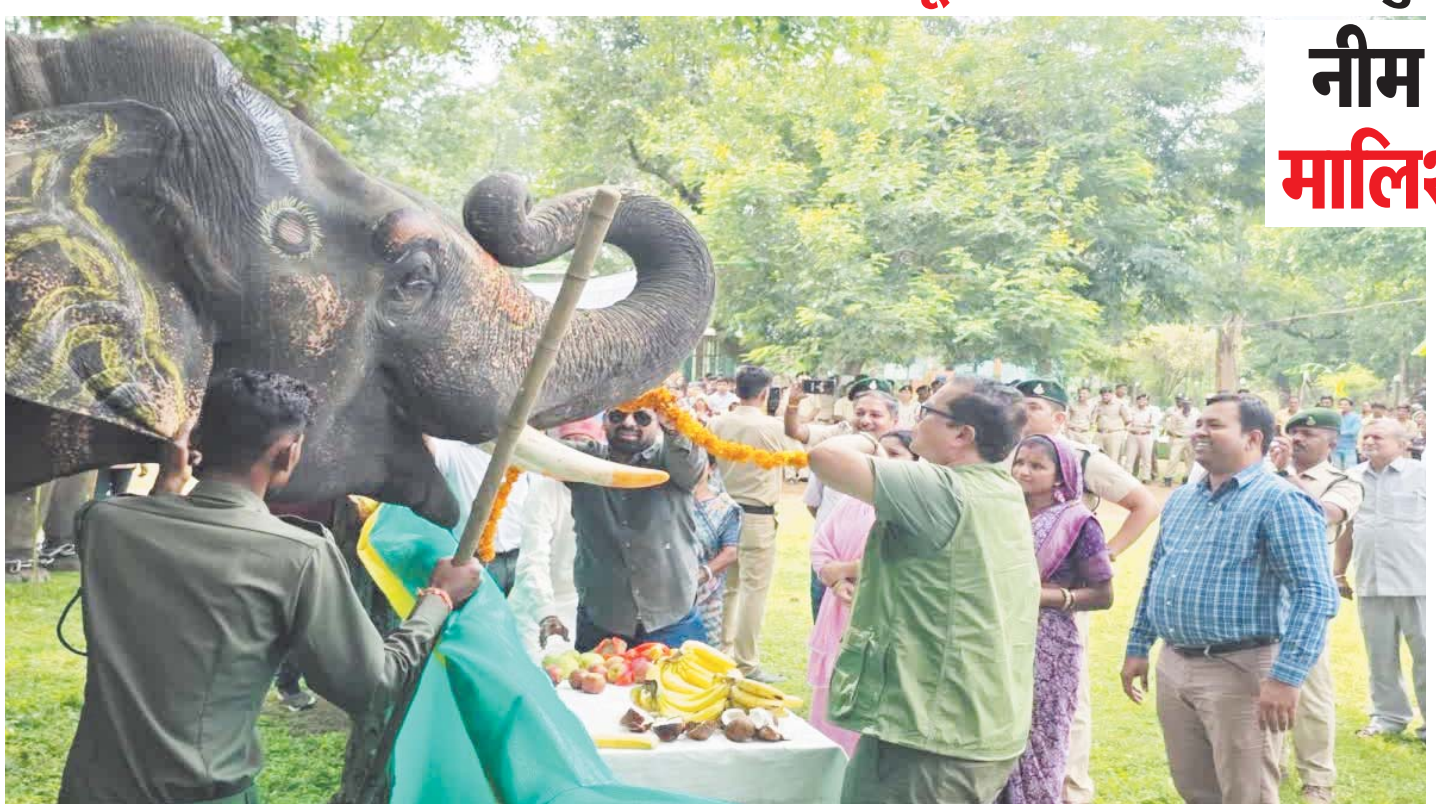

नीम और आरंडी के तेल से हो रही मालिश, 30 तक चलेगा फेस्टिवल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के नेशनल पार्कों में हाथी महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। हाथियों की पूजा कर उन्हें उनके पसंद का भोजन दिया जा रहा है। उन्हें सजाकर आसपास रहने वाले लोगों के सामने दर्शन के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। साथ ही हाथियों के सामाजिक व्यवहार की जानकारी दी जा रही है। टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों की ट्रैकिंग, गश्त और रेस्क्यू में हाथियों की अहम भूमिका है। आयोजन का उद्देश्य बांधवगढ़ में जंगली हाथियों के लगातार निवास करने के कारण जन-सामान्य में जागरूकता बढ़ाना तथा हाथियों की सेवा, देखभाल और संरक्षण की भावना बढ़ाना है। शहडोल के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 25 सितम्बर से 30 सितम्बर तक रामा हाथी कैम्प, ताला, बांधवगढ़ में हाथी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हाथी महोत्सव के दौरान हाथियों को पूरी तरह से विश्राम दिये जाने के साथ ही उनके मन-पसंद व्यंजन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

महोत्सव से पहले हाथियों को चरण गंगा नदी में कराया गया स्नान

हाथी महोत्सव के पहले दिन हाथियों को सुबह-सुबह चरण गंगा नदी में स्नान कराया गया। जहां पानी में हाथी मस्ती करते हैं। कैंप में वापस लाकर नीम एवं आरंडी के तेल से उनकी मालिश की जाती है। वन्य-जीव विशेषज्ञ डॉक्टर्स डीवार्मिंग, पैर एवं दांतों की देखभाल करते हैं। इस दौरान हाथियों को चंदन लगाकर सजाया गया। उन्हें पसंदीदा भोजन गन्ना, नाशपाती, नारियल, गुड़, मक्का, केला, सेव, अमरूद तथा रोटी परोसी जाती है। डॉक्टर द्वारा उनकी डाइट तय की जाती है, जिसमें खनिज आहार, पारंपरिक भोजन और ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं।

फार्मेसी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आज से होगी ऑनलाइन

अब डिजिलॉकर से ही पंजीयन, अर्जेंट एप्लिकेशन चार घंटे और सामान्य 30 दिन में निपटाने का दावा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में फामेर्सी पंजीयन प्रक्रिया को अब पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। अब अभ्यर्थियों को घर बैठे पंजीयन प्रमाण पत्र मेल और डिजिलॉकर से उपलब्ध होंगे। इसके लिए न तो स्लॉट बुकिंग की जरूरत होगी और न ही परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन कराना होगा। सिस्टम आधारित ऑटो वेरिफिकेशन से प्रमाण पत्र सीधे डिजिलॉकर पर पहुंच जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि मध्यप्रदेश स्टेट फामेर्सी परिषद अब पूरी तरह डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में काम कर रही है। अब प्राइवेट विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार के लिए सूचित किया जाएगा। वहीं, संस्थानों की लापरवाही पर मान्यता एवं एफिलिएशन पर कार्रवाई की जाएगी। जून से अगस्त 2025 तक की कार्य-प्रगति की समीक्षा में सामने आया कि इस दौरान 3500 से अधिक नए पंजीयन पूरे हुए। वहीं, 5800 आवेदन प्रक्रिया में लंबित रहे और 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची न मिलने से अटके रहे। नई प्रणाली में समग्र आईडी, डिजिलॉकर, विवाह एवं निवास प्रमाणपत्र और एफडीए का एकीकरण किया गया है।

रजिस्ट्रेशन के लिए डिजिलॉकर अनिवार्य

बी.फार्मा और एम.फार्मा करने वाले छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन से पहले डिजिलॉकर पर अकाउंट बनाना अनिवार्य होगा। फामेर्सी काउंसिल की रजिस्ट्रार भव्या त्रिपाठी के अनुसार रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया एक विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से शुरू की गई है। यह सॉफ्टवेयर समग्र आईडी और डिजिलॉकर अकाउंट से दस्तावेजों का वेरिफिकेशन करेगा। इनमें स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, डिग्री, डिप्लोमा, 10वीं और 12वीं की मार्कशीट, फोटो सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज शामिल होंगे। अभी तक यह पूरी प्रक्रिया मैन्युअल होती थी, जिससे काफी समय लगता था और पेंडेंसी बढ़ती जा रही थी।

70 प्रतिशत आवेदनों में त्रुटियां

अधिकारियों के अनुसार 70न्न फॉर्म में त्रुटियां पाई जाती हैं। कैंडिडेट्स बार-बार गलतियां करते हैं, जिससे पेंडेंसी बढ़ती है। अधिकतर मामलों में अंग्रेजी में नाम या अन्य विवरण की स्पेलिंग गलत होती है। काउंसिल इस परेशानी से बचने के लिए आधुनिक डिजिटल सॉफ्टवेयर तैयार कर रही है। इसके माध्यम से छात्र घर बैठे ऑनलाइन वेरिफिकेशन और रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। गलती होने पर सॉफ्टवेयर तुरंत जानकारी देगा। जब तक वेरिफिकेशन पूरा नहीं होगा, तब तक छात्रों से फीस नहीं ली जाएगी। अब तक एमपी ऑनलाइन से आवेदन के दौरान पहले फीस ली जाती थी और बाद में वेरिफिकेशन होता था।

10,500 तक पहुंच गई थी पेंडेंसी

प्रदेशभर में बी.फार्मा और एम.फार्मा करने वाले छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन कराना एक बड़ी चुनौती बन गया था। छात्र पिछले दो-ढाई साल से भोपाल स्थित फामेर्सी काउंसिल के चक्कर लगाकर परेशान हो गए थे। कई बार प्रदर्शन हुए, कुछ छात्र तो नाराजगी में गार्ड से मारपीट तक कर बैठे। मई 2025 तक काउंसिल में 10,500 से अधिक आवेदन पेंडिंग थे।

छात्रों के लिए नए निर्देश

- आधार और समग्र में नाम, पिता/पति का नाम और जन्मतिथि सही हो।
- आधार में नया फोटो हो।
- स्थानीय निवासी प्रमाणपत्र मध्यप्रदेश का होना चाहिए और समग्र से जुड़ा होना चाहिए।
- आधार से प्रमाणित मोबाइल नंबर पर डिजिलॉकर ऐप इंस्टॉल हो और 10वीं व डिग्री/डिप्लोमा की फाइनल मार्कशीट ऐप पर अपलोड हो।
- सभी दस्तावेजों में नाम, जन्मतिथि और पिता/पति का नाम एक जैसा हो।
- फॉर्म में नाम, जन्मतिथि या पता बदलने की सुविधा नहीं होगी।

फजीवाड़े पर रोक

फामेर्सी काउंसिल के अधिकारियों ने कहा, अब फर्जी दस्तावेज लगाना आसान नहीं होगा। सिस्टम तुरंत पकड़ लेगा कि जानकारी मेल खा रही है या नहीं। परिषद ने हाल ही में नया लोगो और प्रमाणपत्र का नया फॉर्मेट भी जारी किया है।

किसानों के हित में सीएम का बड़ा ऐलान

सोयाबीन के लिए प्रदेश में लागू होगी भावांतर योजना

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण मध्यप्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावान्तर योजना लागू की जा रही है। किसानों को किसी भी हालत में घाटा नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को सोयाबीन का उचित मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोयाबीन के लिए एमएसपी प्रति क्विंटल 5328 रुपए घोषित की है। किसान संघों के सुझाव पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष सोयाबीन के किसानों को भावान्तर का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान पहले की भांति मंडियों में सोयाबीन का विक्रय करेगा। अगर एमएसपी से कम कीमत पर सोयाबीन बिकता है तो किसानों के घाटे की भरपाई भावान्तर योजना के तहत सरकार द्वारा की जाएगी। फसल के विक्रय मूल्य और न्यूनतम समर्थन मूल्य स्स्क्के अन्तर की राशि सीधे सरकार देगी। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना में किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा रही है।

ऐसे होगा क्षतिपूर्ति का आकलन

यदि मंडी में औसत गुणवत्ता की कृषि उपज का विक्रय मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम हो लेकिन राज्य सरकार द्वारा घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक हो तो किसान को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य और वास्तविक बिक्री मूल्य के अंतर की क्षतिपूर्ति दी जाएगी। यदि मंडी में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य सरकार द्वारा घोषित औसत मॉडल भाव से भी कम हो तो किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य और घोषित औसत मॉडल भाव के अंतर की क्षतिपूर्ति दी जाएगी।

किसानों के साथ सदैव खड़ी है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व में भी फसलों की क्षति पर किसानों को राहत राशि प्रदान की गई है। किसान हितैषी निर्णय पहले भी लिए गए हैं। बाढ़ से प्रभावित किसानों को भी सहायता दी गई। सकंट की घड़ी में किसानों के साथ सरकार सदैव खड़ी है। पीले मोजेक से हुए नुकसान के लिए भी सर्वे करवाया जा रहा है। किसानों को प्रभावित फसलों के लिये आवश्यक राहत प्रदान की जाएगी।

सड़क बनाने के पहले साइड ड्रेन और शोल्डर बनेंगे

नगरीय निकायों की खस्ताहाल सड़कें देख सरकार ने लिया बड़ा फैसला

भोपाल, दोहपर मेट्रो

सड़कों के किनारे पानी निकासी के लिए नाली न बनाए जाने से होने वाले सड़कों के नुकसान को लेकर नगरीय विकास विभाग अब गंभीर हुआ है। बारिश के दौरान विभाग द्वारा जिलों में नगरीय निकायों की सड़कों का इंस्पेक्शन कराने के बाद सौंपी गई रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि मैक्सिमम सड़कें साइड ड्रेन और शोल्डर नहीं होने के कारण उखड़ी हैं क्योंकि सड़कों पर जलभराव के बाद पानी की निकासी नहीं हो पाई है। इसके बाद अब सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी किए गए हैं कि सड़कों के निर्माण के लिए जो भी एस्टीमेट बनेंगे उसमें साइड ड्रेन और शोल्डर बनाने का काम प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। प्रदेश की नगरीय निकायों में कायाकल्प, मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास के चौथे चरण, मुख्यमंत्री नगरीय अधोसंरचना विकास योजना एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत सड़कों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इन योजनाओं के अन्तर्गत कराए जा रहे कार्यों की क्वालिटी एवं परियोजना प्रबंधन के लिये संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल ने 2 सितम्बर को पत्र लिखा था जिसमें स्वतंत्र गुणवत्ता इकाई (इंडिपेंडेंट क्वालिटी मैनेजमेंट यूनिट) लिस्टेड की जाकर इन यूनिट्स को सड़कों के निरीक्षण के लिये जिले आवंटित किए गये थे।

इन्फेक्शन के बाद हुई सड़कों की समीक्षा

इस इन्फेक्शन के बाद सड़कों की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके लिए नगरीय विकास आयुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रिव्यू किया। समीक्षा में यह तथ्य सामने आया है कि नगरीय निकायों में निर्मित और निमार्णाधीन सड़कों में साइड ड्रेन एवं शोल्डर का निर्माण नहीं किया जा रहा है, जिससे सुचारू रूप से पानी का निकास न होने से सड़कों के ऊपर जलभराव रहता है और सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती है।

उद्योग और श्रमिकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध आवश्यक: श्रम मंत्री

भोपाल। श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा है कि उद्योग और श्रमिकों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंध आवश्यक हैं, जिससे विकासात्मक गतिविधियाँ सही भाव एवं दिशा में राष्ट्रीय हित के अनुरूप आगे बढ़ सकें। मंत्री पटेल ने यह बात श्रम विभाग द्वारा उद्योग और श्रमिकों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पीथमपुर स्थित ब्रिजस्टोन कंपनी परिसर में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए कही। श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा कि उद्योग और श्रमिकों के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंधों से ही विकास राष्ट्रीय हित के अनुरूप हो सकता है। श्रमिकों के सामूहिक सशक्तिकरण के लिये 'श्री' (सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण, संबंध, उद्यम और शिक्षा) कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सागर जिले के जैसीनगर आगमन पर बुंदेली परम्परा से स्वागत आ।

सीएम के निर्देश के बाद एक्शन में परिवहन विभाग

बिना फर्स्ट एड बॉक्स के चल रही बसों के विरुद्ध सख्ती

भोपाल। प्रदेश में परिवहन विभाग ने 22 सितम्बर से वाहनों की चेकिंग के लिये एक विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के दौरान इस बात पर विशेष ध्यान दे रहा है कि बगैर फर्स्ट एड बॉक्स के वाहन सड़क पर न चलें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये थे कि यात्रियों की सुरक्षा के लिये बसों में फर्स्ट एड बॉक्स अनिवार्य रूप से हो। परिवहन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 1718 यात्री बसों की जाँच की गई और जिन बसों में फर्स्ट एड बॉक्स नहीं पाये गए उन पर चालानी कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्री बसों को परमिट जारी करने के पहले फर्स्ट एड बॉक्स की जांच की जाये। फर्स्ट एड बॉक्स न होने पर विभाग परमिट जारी नहीं करेगा।

ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन में पायी गयी अनियमितता

परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने उप परिवहन आयुक्तों को ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के निरीक्षण के भी निर्देश दिये थे। जबलपुर में मनाली इण्डस्ट्रीज एटीएस की जाँच की गयी। इस एटीएस में अनियमितता पायी गयी। जाँच में पाया गया कि जिन वाहनों में एचएसआरपी और रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगी थी, उनका भी फिटनेस जारी किया जाना पाया गया। इसके साथ ही एटीएस के स्टॉफ का निर्धारित प्रशिक्षण होना नहीं पाया गया।

मेट्रो एंकर

ग्रीन-एजी परियोजना, वैज्ञानिकों ने बताए खेती करने के तरीके

कांटा रहित कैक्टस खेती सीखने अमलाहा पहुंचे किसान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा खाद्य एवं कृषि संगठन की ग्रीन-एजी परियोजना के अंतर्गत श्योपुर जिले के किसानों का एक दल डॉ. नीलम बिसेन पवार, राज्य तकनीकी समन्वयक, मिली मिश्रा, संचार अधिकारी और पशुपालन विशेषज्ञ अमृतेश वशिष्ठ के साथ सीहोर स्थित आईसीएआरडीए केंद्र, अमलाहा पहुँचा। इस दौरे का उद्देश्य किसानों को कांटारहित कैक्टस की खेती और उसके विविध उपयोगों के बारे में जानकारी देना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. नेहा तिवारी, वैज्ञानिक ने बताया कि कैक्टस एक ऐसा पौधा है जो बेहद कम पानी में भी आसानी से उग जाता है और शुष्क व बंजर भूमि में भी अच्छी तरह पनप सकता है। कांटारहित होने से यह पशुओं के लिए गर्मी और सूखे के समय हरे चारे का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक स्रोत है। इसके अतिरिक्त, कांटा रहित नागफनी से बायोगैस और खाद तैयार करने के तरीके भी किसानों को समझाए गए। किसानों को कैक्टस की पोषण संबंधी विशेषताओं और इसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों ने खेतों में जाकर प्रत्यक्ष रूप से कांटारहित कैक्टस की विभिन्न किस्मों के पौधों का अवलोकन किया और उसकी खेती की तकनीक को समझा। किसानों का मानना था कि यह खेती न केवल पशुपालन के लिए उपयोगी है बल्कि उनकी आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है।

वर्तमान में ग्रीन-एजी परियोजना श्योपुर और मुरैना जिलों में संचालित है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और सतत भूमि प्रबंधन को भारतीय कृषि प्रणाली में एकीकृत करना है। इसके अंतर्गत किसानों को नई और पर्यावरण अनुकूल खेती की तकनीकें सिखाई जा रही हैं, जिनमें कैक्टस की खेती विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकती है।

उपाय करना जरूरी

लद्दाख के लेह शहर में बुधवार को लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के बंद के दौरान युवा प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में बुधवार को चार लोगों के मारे जाने की घटना बेहद दुखद है। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल में शामिल सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने भाजपा व हिल काउंसिल के दफ्तर में तोड़फोड़ कर आग लगा दी तथा सुरक्षा बलों की गाड़ियां भी जला दीं। बताया जाता है कि पंद्रह दिनों से जारी सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल में उनके साथ कई और लोग भी शामिल थे। इन्हीं में से दो बुजुर्गों की तबियत मंगलवार को बिगड़ गई, जिसके बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जुटने लगे और आंदोलन उग्र हो गया। हालांकि इस हिंसा के बाद सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल वापस ले ली। वांगचुक समेत प्रदर्शनकारियों की जो चार मांगें हैं उनमें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देना, संविधान की छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा, कारगिल-लेह दो अलग लोकसभा सीट बनाना और सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोगों की भर्ती करना शामिल है। वांगचुक की हड़ताल शुरु होने के दस दिन बाद यानी 20 सितंबर को केंद्र ने बातचीत का निमंत्रण भी भेजा, लेकिन प्रस्तावित बातचीत की तारीख छह अक्तूबर तय की। इसके बावजूद हिंसा होना संदेह उत्पन्न करता है। साकार ने सोनम पर हिंसा भड़काने और साजिश तक का आरोप लगाया है। जरूरी है की इस मामले की तह तक जाकर समस्या के स्थाई हल के उपाय किये जाएं।

विमुक्त जनजातियों की देवी उपासना विरासत का अनदेखा स्वर्ण अध्याय

डॉ. आनंद सिंह राणा
इतिहास के प्रोफेसर

भारत में विमुक्त, खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जनजातियों के बीच देवी पूजा और नवरात्रि की परंपराएं और मान्यताएं हिंदू धर्म की विरासत हैं। ये जनजातियाँ आदिशक्ति के विभिन्न रूपों का आदर करती हैं और इसलिए हिंदू धर्म का अभिन्न अंग हैं। जहां महादेवी मां काली और महाविद्या मां बगलामुखी की पूजा प्रमुख है, वहीं परिवारों में कुलदेवियों का भी महत्व है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित मध्य भारत के विभिन्न राज्यों में उनके द्वारा स्थापित मूर्तियों और मंदिरों में नवरात्रि का भव्य उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की कुलदेवी माँ तुलजा भवानी थीं। सम्पूर्ण भारत में छत्तीसगढ़ के रायपुर में बंजारी माता का मंदिर बंजारों की कुल देवी का मंदिर है, जो मां बगलामुखी देवी के रूप में पूजनीय हैं। इस प्रकार, देवी की पूजा और नवरात्रि का भव्य त्योहार पूरे भारत में हर जगह मनाया जाता है। लेकिन यह कितना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि सनातन धर्म के ध्वजवाहक, सिल्क रोड के उत्कृष्ट व्यापारी, देश के स्वतंत्रता संग्राम में सर्वोच्च बलिदान देने वाले विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातीय परिवार, अपने ही देश भारत में, बिना उचित नागरिकता, आधार कार्ड, मताधिकार, आवास और अन्य सुविधाओं के, अजनबी बन गए। मुस्लिम और ईसाई घुसपैठिये विशेषाधिकार प्राप्त अल्पसंख्यक बन गए हैं, और यहां तक कि भगोड़े रोहिंग्या मुसलमान भी देश के नागरिक बन गए हैं। वर्ष 2014 से भारत सरकार ने औपचारिक रूप से उनकी समस्या का समाधान किया है तथा उनका उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास शुरू कर दिए हैं। देश में उनकी जनसंख्या 2011 में 150 मिलियन थी और अब यह 200 मिलियन तक पहुंच गई होगी। अंग्रेजों ने 53 देशों पर शासन किया, लेकिन केवल भारत की खानाबदोश जनजातियों के लिए उन्होंने आपराधिक जनजाति अधिनियम 1871 पारित किया, जिसके तहत उन्हें अपराधी घोषित किया गया क्योंकि इन खानाबदोश जनजातियों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम छेड़ा था।

घूमंतू जातियों का गौरवशाली इतिहास है, जो समय-समय पर सामने आ रहा है । धार्मिक दृष्टि से पूरे भारत में घूमंतू जातियों ने हिंदू धर्म की न केवल रक्षा की है वरन मूर्तियां और मंदिरों की स्थापना भी की है। विमुक्त ,घुमंतू और अर्धघुमंतू जनजातियों में देवी उपासना और नवरात्र पर्व का विशेष महत्व है। इतिहास गवाह है कि महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में स्थित तुलजापुर, वह स्थान है जहाँ छत्रपति शिवाजी महाराज की कुलदेवी माँ तुलजा भवानी विराजमान हैं। वे आज भी महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के कई निवासियों की कुलदेवी के रूप में पूजनीय हैं। मध्य प्रदेश में भी खंडवा के पास तुलजा भवानी का मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के निर्देशन में पिंडारियों ने मुगलों की खटिया खड़ी कर दी थी और तुलजा भवानी को अपनी कुलदेवी ही मानते थे। पिंडारियों ने बरतानिया सरकार के खिलाफ भी भारत की स्वाधीनता के लिए मरते दम तक संघर्ष किया था, जिसका इतिहास अतीत के गर्भ में है जो शीघ्र ही सामने आएगा।

छत्तीसगढ़ के रायपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के बंजारी माता का मंदिर पूरे भारत में प्रसिद्ध हैं। छत्तीसगढ़ के रायपुर का बंजारी माता का मंदिर पूरे भारत के बंजारों की कुलदेवी के मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है , जो मां बगलामुखी की प्रतिमूर्ति है। मंदिर परिसर में भगवान विष्णु, भगवान शिव (बंजारेश्वर महादेव), श्री राम, गणेश, हनुमान आदि के उप-मंदिर हैं। बंजारी माता का प्राकट्य बंजर भूमि से माना जाता है। बंजारी माता के मंदिर विभिन्न स्थानों पर पाए जाते हैं जहां वर्ष भर देवी की उपासना और नवरात्र का महापर्व बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। व्यापारिक दृष्टि से रेशम महापथ पर जब बंजारे व्यापार करने जाते थे , तब विदेश में भी बंजारी माता की स्थापना करते थे। 10वीं सदी के पहले से इनके पूजन एवं स्थापना होती चली आ रही थी, परंतु बाद में इस्लामी आक्रांताओं ने इन्हें विनष्ट कर दिया। बंजारी माता एक देश से दूसरे देश तक व्यापार करने वाले बंजारा समाज के ठीये और दिशा दिग्दर्शिका के रूप में स्थापित की जाती थीं। अधिकतर बंजारी माता की प्रतिमाओं और उनके मंदिर का मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर ही मिलेगा। वे सूर्य उपासक हुआ करते थे। जंगलों व रास्तों में भटकने वालों को दिशाओं का ज्ञान भी इन मंदिरों के माध्यम से उपलब्ध हो जाता था। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले की चारों दिशाओं में माता बंजारी के दरबार हैं। गोसलपुर, मंडला रोड की घाटी, तेंदूखेड़ा की पहाड़ी, सिवनी के गणेशगंज की दुर्गम पहाड़ी पर इनके दरबार आज भी आस्था का केंद्र हैं। महाकौशल क्षेत्र में दिवालों में मरही, बंजारी और भूलन माता कुल देवी, के रूप में पूजी जाती हैं।

मरही माता, खेरदाई और खप्पर वाली के उपासक सर्वाधिक: महाकौशल और बुंदेलखंड क्षेत्र में हैं। सदियों से इन क्षेत्रों में स्थानीय व लोक परंपरा में पूजे जाने वाले देवी- देवता जनसाधारण के कुल देवी -देवता हैं। यही कारण है कि यहां शास्त्रों में बताए गए देवी देवताओं की अपेक्षा इनके मंदिर व दरबार सबसे अधिक हैं। घरों के देवी दरबारों में मरही माता, खेरदाई, खप्पर वाली, वनदेवी के दरबार बने हैं। यहां मंत्रों के बजाय तंत्र पूजन होता है। इनकी पूजन विधि पूर्वजों द्वारा तय परम्परानुसार किया जाता है। कहीं जवारे बोने के साथ बाना भी पूजा जाता है। कहीं खप्पर आरती की परम्परा पीढ़ियों से चल रही है। यही तो एक भारत , समरस भारत और श्रेष्ठ भारत की पहचान है।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस

पर्यावरण में हमारे अस्तित्व का मौन संकट

पूजा उईके
स्तंभकार

भारत में वायु प्रदूषण सबसे गंभीर संकट बन चुका है। 2025 की एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार देश में हर व्यक्ति की औसत जीवन प्रत्याशा प्रदूषण के कारण लगभग तीन वर्ष छह महीने कम हो रही है। राजधानी दिल्ली और उससे सटे एनसीआर क्षेत्र में यह कमी आठ साल से भी अधिक है। इसका अर्थ यह है कि हमारी सांसों के साथ हम धीरे-धीरे जीवन के वर्ष खो रहे हैं। अध्ययन बताते हैं कि प्रदूषित हवा का असर धूम्रपान से भी ज्यादा खतरनाक है क्योंकि इसका प्रभाव जन्म से लेकर बुढ़ापे तक हर इंसान पर पड़ता है। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का कैंसर, हृदयाघात और स्ट्रोक जैसी बीमारियां इसी अदृश्य जहर का परिणाम हैं। हर साल लगभग पंद्रह लाख मौतें केवल पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी मानी जा रही हैं, जो भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था और अर्थव्यवस्था दोनों पर भारी बोझ डालती हैं।

जल प्रदूषण और स्वास्थ्य संकट: सिर्फ हवा ही नहीं, पानी भी अब सुरक्षित नहीं रहा। नदियों और झीलों में औद्योगिक कचरे, सीवेज और कृषि से बहकर आने वाले रसायनों की मौजूदगी ने जल स्रोतों को विषाक्त बना दिया है। देश के कई हिस्सों में जलजनित रोग आज भी मौत का कारण बने हुए हैं। डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियां हर साल हजारों जिंदगियां निगल रही हैं। खासकर गरीब और बच्चों पर इसका सबसे बुरा असर होता है। ह्यश्वद्बह्वद्धद्धरु की एक रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी भारत के जिलों में जलजनित रोगों का भार सबसे ज्यादा है। जलवायु परिवर्तन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बाद इन बीमारियों का प्रसार और तेजी से होता है। साफ पानी और स्वच्छता की सुविधाओं के अभाव में यह संकट और गंभीर बन जाता है।

अपशिष्ट प्रबंधन की नई चुनौतियां : ठोस और इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट भी स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक देश है। महानगरों में खुले में पड़े कचरे के ढेर संक्रमण और बीमारियों के अड्डे बनते जा रहे हैं। यही नहीं, इनसे निकलने वाले रसायन और भारी धातुएं धीरे-धीरे मिट्टी और भूजल में घुलकर हमारी खाद्य श्रृंखला तक पहुंच जाती हैं। जब दूषित अनाज और सब्जियां हमारी थाली में आती हैं, तो इसका सीधा असर पोषण और स्वास्थ्य पर पड़ता है। इससे कुपोषण और खाद्य असुरक्षा का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और नई आपदाएँ: जलवायु परिवर्तन का असर अब हर जगह महसूस किया जा रहा है। 2025 की भारत-पाकिस्तान हीटवेव ने यह साफ कर दिया कि आने वाले वर्षों में गर्मी कितनी घातक हो सकती है। इस दौरान राजस्थान और आसपास के राज्यों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भारत के लगभग 57 प्रतिशत जिले, जिनमें देश की 76 प्रतिशत आबादी रहती है, अब उच्च से बहुत उच्च हीटवेव जोखिम की श्रेणी में आ चुके हैं। अधिक गर्मी और आर्द्रता न केवल हीट स्ट्रोक जैसी बीमारियों को जन्म देती है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि लगातार गर्मी और नींद की कमी चिंता, अवसाद और तनाव को बढ़ा देती है।

मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर असर : पर्यावरणीय संकट केवल शारीरिक बीमारियों तक सीमित नहीं है। मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य भी इससे गहराई से प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली और अन्य महानगरों में रहने वाले लोग लगातार ध्वनि प्रदूषण, ट्रैफिक और धुंध की समस्या से जूझ रहे हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और बुजुर्गों में डिमेंशिया तथा अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरी ओर, यह संकट आर्थिक रूप से भी बेहद भारी है। अनुमान है कि भारत में हर साल प्रदूषण से जुड़े रोगों और मौतों की वजह से लाखों करोड़ रुपये की उत्पादकता नष्ट हो जाती है।

समाधान की दिशा में प्रयास: सरकार की ओर से कई योजनाएँ शुरू की गई हैं। स्वच्छ गंगा मिशन, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, जल जीवन मिशन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहलें इसी दिशा में हैं। लेकिन केवल नीतियाँ बनाना पर्याप्त नहीं है, इनके सख्त पालन और बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। वाहनों के उत्सर्जन पर नियंत्रण, पराली प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प, औद्योगिक अपशिष्ट के लिए ट्रीटमेंट प्लांट और शहरी ठोस कचरे का वैज्ञानिक निपटान आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की जरूरत है। जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करके सौर और पवन ऊर्जा का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे न केवल प्रदूषण घटेगा बल्कि ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। शहरी क्षेत्रों में हरित पट्टियों का विस्तार, वर्षा जल संचयन, सीवेज ट्रीटमेंट और सतत कृषि पद्धतियों को अपनाना भी बेहद जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण है जनता की भागीदारी। जब तक नागरिक खुद जागरूक नहीं होंगे, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा। हमें यह समझना होगा कि बिजली की बर्बादी, पानी का अत्यधिक उपयोग, प्लास्टिक का अनावश्यक प्रयोग और निजी वाहनों का अंधाधुंध इस्तेमाल हमारे पर्यावरण स्वास्थ्य को प्रतिदिन नुकसान पहुंचाते हैं। अगर हर व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाए जैसे सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग, पेड़ लगाना, कचरे का पृथक्करण करना और ऊर्जा बचाना, तो सामूहिक रूप से बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। स्वास्थ्य व्यवस्था को भी पर्यावरणीय चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना होगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े अस्पतालों तक में प्रदूषण जनित रोगों के इलाज और रोकथाम के लिए पर्याप्त साधन होने चाहिए। गर्मी और बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान त्वरित चिकित्सा सुविधा और मानसिक स्वास्थ्य सहयोग उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

सुविचार

महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।
– अज्ञात

निशाना

शब्द - शब्द खो रहे हैं..!

राजेंद्र सिंह चौहान

भाई सा, आपको याद है,
भारत अँग्रेजों से आजाद है!
पर अँग्रेजी की बात और हैं,
वो भाषाओं की सिर मौर है!
तभी तो हमारे देश मे
महोदय सर कहलाते हैं,
डूप्लेक्स को हम
घर कहने मे लजाते है।
छात्र स्टूडेन्ट हो गये,
प्रतिशत पर्सन्टेज हो गये।
चरित्र केरेक्टर हो गया
केन्द्र सेन्टर हो गया।
व्याख्याता लेक्चरार
प्राचार्य प्रिन्सिपल है
मतलब हर जगह अंग्रेजी छल हैं।
विश्व विद्यालय यूनिवर्सिटी
गाँव विलेज और शहर सिटी।
अंग्रेज तो चले गये
अपनी छाप छोड़कर
पर हम भारतवासी उनका कल्चर
ओढ़कर! खुद को पीढ़ियों
समेत दे रहे हैं धोखा,
अपनी ही दासता को
फिर दे रहे हैं मौका।
ये मौका,ये धोखा,
ये छल लगातार हो रहे हैं
हम अपनी आजादी को
शब्द-शब्द में खो रहे हैं!

हेल्थ अपडेट

कानों के लिए खतरनाक ईयरबड्स, घंटों इस्तेमाल से दिक्कत

आज के समय में हममें से ज्यादातर लोग ईयरबड्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि ये आपके कानों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। ईयरबड्स का अधिक इस्तेमाल करने से कानों को नुकसान हो सकता है। ये सुनने की क्षमता को न सिर्फ नुकसान पहुंचता है बल्कि बार-बार ईयरबड्स का इस्तेमाल करने से कान में मैल जमा होने लग जाता है, जो कान की नली की गहराई तक पहुंचकर शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

ईयरबड्स का लगातार घंटों तक इस्तेमाल करने से सिरदर्द की समस्या पैदा हो सकती है. इसके कारण सिरदर्द और माइग्रेन होने लगता है। ईयरबड्स का नींद पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे अनिद्रा या स्लीप एपनिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे सुनने की क्षमता को भी बहुत नुकसान पहुंचता है। तेज आवाज में लगातार गाने सुनने से सुनने की क्षमता कम हो सकती है। यूज करने से कान में मैल जमा हो जाता है। ये मैल कान की नली में गहराई तक पहुंचकर उसे नुकसान पहुंचाता है।

ब्लड फ्लो पर असर: ईयरबड्स के कारण कानों का ब्लड फ्लो भी बुरी तरह से प्रभावित होता है।. इसलिए रात में सोते समय ईयरबड्स लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे कानों में बड़ी दिक्कत हो सकती है। दिल की बीमारी के खतरे की भी वजह बनता है। घंटों तक हेडफोन लगाए रखने और म्यूजिक को तेज आवाज से सुनने के कारण इसके सीधा असर दिल पर पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है और आगे चलकर बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

कितनी देरी तक करें इस्तेमाल: एक्सपर्ट की मानें तो अगर आप घंटों तक ईयरबड्स का इस्तेमाल करते हैं तो तुरंत ही अपने रूटिन में बदलाव कर लेना चाहिए। 60 मिनट से अधिक समय तक इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके अलावा बीच-बीच में वॉल्यूम को भी कम कर देना चाहिए।

टेक्नोलॉजी

क्रोम ब्राउजर में आया जेमिनी, अब कुछ भी तलाशने में हर पल हेल्प करेगा AI

गूगल का पॉपुलर क्रोम ब्राउजर आने वाले दिनों में आपको बदला-बदला सा नजर आ सकता है, क्योंकि उसे एआई फीचर्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। कंपनी ने क्रोम ब्राउजर के लिए कुछ नए एआई अपडेट्स का ऐलान किया है। दावा है कि इनकी मदद से ब्राउजर पहले से ज्यादा सेफ और उपयोगी हो जाएगा। आने वाले वक्त में क्रोम ब्राउजर के साथ ब्राउजिंग का तरीका बदल जाएगा। एआई असिस्टेंट लोगों के काम को और आसान बना देगा। नए अपडेट्स धीरे-धीरे रोलआउट होंगे और आने वाले दिनों में लोगों को मिलने लगेंगे।

ब्राउजिंग असिस्टेंट बनेगा क्रोम: गूगल के जेमिनी एआई का इंटीग्रेशन अब क्रोम में होने वाला है। यह लोगों के ब्राउजिंग असिस्टेंट के तौर पर काम करेगा। लोगों के सवालों के जवाब तलाशने में मदद करेगा और जो कंटेंट सामने आएगा उसे समझाएगा भी। आपने पहले कौन सी वेबसाइटों को स्क्रॉल किया था, जेमिनी एआई यह भी पता लगाएगा। आसान भाषा में समझाएं तो आने वाले दिनों में जब आप क्रोम ब्राउजर को इस्तेमाल करेंगे तो वहां जेमिनी एआई की भूमिका बढ़ जाएगी, जो हर पल आपकी मदद को तैयार रहेगा।

अमेरिकी यूजर्स को पहले मौका: नए फीचर को सबसे पहले अमेरिकी यूजर्स के लिए लाया गया है। अमेरिका में मैक और विंडोज यूजर इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। अभी यह अंग्रेजी भाषा में सपोर्ट कर रहा है। कहा जाता है कि जल्द इसे एंड्रॉयड और आईओएस पर लाया जाएगा, जिसके बाद आप अपने स्मार्टफोन में भी क्रोम ब्राउजर को चलाते हुए जेमिनी एआई की मदद ले पाएंगे। जेमिनी एआई को गूगल के अन्य ऐप्स जैसे- गूगल डॉक और कैलेंडर में शामिल करने की तैयारी भी हो रही है।

अड्रेस बार भी हो रहा अपडेट: इसके अलावा, गूगल क्रोम के अड्रेस बार को भी अपडेट किया जा रहा है। अड्रेस बार वो जगह होती है, जहां आप यूआरएल टाइप करते हैं या उसे पेस्ट करते हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आने वाले दिनों में अड्रेस बार में भी एआई का इंटीग्रेशन होगा और यूजर इसकी मदद से ऑनलाइन शॉपिंग में हेल्प ले पाएंगे। उदाहरण के लिए- जब आप को प्रोडक्ट देख रहे होंगे तो अड्रेस बार आपको वॉरंटी पॉलिसी के बारे में जानकारी दे सकता है। खास यह है कि गूगल क्रोम में एआई का यह दखल सिर्फ अंग्रेजी भाषा तक नहीं होगा। स्थानीय भाषा में भी एआई को लाया जाएगा। लेकिन इसकी कोई टाइमलाइन अभी सामने नहीं आई है। कंपनी की प्राथमिकता डेस्कटॉप के बाद मोबाइल डिवाइस पर क्रोम में जेमिनी एआई को लाना है।

शिक्षक का कमाल

2,900 रुपये में बनाई एआई मैडम, 95 प्रतिशत बढ़ी हाजिरी, इंडिया बुक में दर्ज

एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने लोगों को इससे जुड़े इनोवेशन के लिए प्रेरित किया है। बाहर के देशों में तो एआई से जोड़कर लोग नए-नए प्रयोग कर ही रहे हैं। भारत में भी प्रतिभाएं सामने या रही हैं। झांसी के एक सहायक शिक्षक मोहनलाल सुमन ने कम खर्च में एक खास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रोबोट शिक्षक बनाया, जिसे एआई टीचर कहा जा रहा है। इसके लिए मोहनलाल को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2025 में जगह मिली है।

मोहनलाल ने सिर्फ 2,900 रुपये खर्च करके सर्वो मोटर, तारों और फ्रेम से इस रोबोट को तैयार किया। यह रोबोट अब स्कूल में बच्चों को पढ़ा रहा है। इसका नाम सुमन मैडम रखा गया है। सुमन मैडम ने मई में राजापुर गांव के कम्पोजिट स्कूल में पढ़ाना शुरू किया था, जिसके बाद से स्कूल की हाजिरी 65 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत हो गई। बच्चे सुमन मैडम की क्लास छोड़ना नहीं चाहते।

मोहनलाल बताते हैं कि उनके द्वारा बनाई गई एआई रोबोट सुमन मैडम कभी थकती नहीं है। वह हर विषय के सवालों का जवाब देती है, बच्चों की तारीफ करती है और पहेलियां पूछती है। बच्चे उनके साथ पढ़ाई का मजा लेते हैं और उत्साह के साथ क्लासरूम में आते हैं। अब इसके लिए मोहनलाल को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के चीफ एडिटर बिस्वरूप रॉय चौधरी ने उन्हें प्रमाणपत्र दिया। यह सम्मान उन्हें इसलिए मिला, क्योंकि उन्होंने इतने कम खर्च में एआई रोबोट बनाया है।

सुमन मैडम बच्चों सिर्फ पढ़ाती ही नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। एआई टीचर सुमन मैडम बच्चों को कहानियां कहानी सुनाती है, कविता सिखाती है और साइंस पढ़ाने से लेकर ड्रॉइंग करने में भी मदद करती है। सुमन मैडम के चेहरे पर भाव भी आते हैं, आंखों की पलक झपकने से लेकर होठों के मूवमेंट तक भी होते हैं, ये सब मोटर के सहारे होते हैं। इससे बच्चे सुमन मैडम से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं।

मोहनलाल को यह रोबोट बनाने का विचार तब, आया जब उन्होंने देखा कि शिक्षकों को गैर-शैक्षिक काम करने पड़ते हैं, जैसे मिड-डे मील की देखरेख या चुनाव ड्यूटी। इन कामों की वजह से स्कूली बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, लेकिन सुमन मैडम ने इस कमी को पूरा किया। उन्होंने एक टेक्नोलॉजी कंपनी की मदद से एक लकड़ी के पुतले में एआई असिस्टेंट फिट किया और उसे स्कूल के लिए तैयार किया।

कम्प्यूटर बाबा ने साधु संतों के साथ गौ न्याय यात्रा के लिए नर्मदा मैया को किया नमन, बोले-

प्रदेश में यदुवंशी की सरकार... फिर भी गायें सड़कों पर, गाय को मिले राज्यमाता का दर्जा

गायों संरक्षण के लिए मांगी लोगों से भिक्षा, गायों को लेकर पहुंचेंगे सीएम निवास पर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मप्र में सड़कों पर घूम रही बेसहारा गायों के लिए गौ अभ्यारण और गाय को राज्य माता का दर्जा देने की मांग को लेकर कम्प्यूटर बाबा गौ न्याय यात्रा निकाल रहे है। उनकी यह यात्रा नर्मदापुरम से शुरू होगी। नर्मदापुरम पहुंचे नामदेवदास उर्फ कंप्यूटर बाबा ने सेठानी घाट पर नर्मदा मैया को नमन कर साधु संतों के साथ भजन कीर्तन किया और गायों के संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों से भिक्षा मांगी।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए कंप्यूटर बाबा ने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यदुवंशी की सरकार है मुख्यमंत्री यदुवंशी है फिर भी अब तक गायों के संरक्षण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए है। उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से कई बार पत्राचार किया है लेकिन उनके पास गायों के संरक्षण पर बात करने के लिए समय नहीं है। इसलिए हम सब ने गौ न्याय यात्रा निकालने का निर्णय लिया है 7 दिन की गौ न्याय यात्रा 7 से प्रारंभ होगी और14 अक्टूबर को भोपाल में समाप्त होगी। कंप्यूटर बाबा ने बताया कि 10 हजार गायों को लेकर वे मुख्यमंत्री निवास पहुंचेंगे। जहां मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर गायों को राज्य माता का दर्जा देने की मांग करेंगे।बाबा ने बताया कि गायों के गले ओर सींग में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन होगा। उन्होंने कहा है कि इस गौ न्याय यात्रा को संत समाज,युवा ओर किसानों का समर्थन मिल रहा है प्रदेश के सभी जिलों से लोग 14अक्टूबर को गायों को लेकर मुख्यमंत्री निवास पहुंचेंगे।

आंगन से सड़क पर आ गई गाय

कंप्यूटर बाबा ने कहा कि गायों की हालत कुत्तों से बदतर हो गई है। कुत्ते सड़क से घर के बेडरूम तक पहुंच गए है और गाय घर के आंगन से सड़क पर आ गई है। सड़कों पर गाय तड़प तड़प कर मरने को मजबूर है।इसलिए गाय के संरक्षण के लिए गौ न्याय यात्रा निकाल रहे है। कंप्यूटर बाबा को शिवराज सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा मिला था तब से लगातार कंप्यूटर बाबा राजनीतिक मुद्दों पर साधु हठ करते रहे है।कमलनाथ सरकार में कंप्यूटर बाबा ने अवैध रेत उत्खनन का मुद्दा बनाया था लेकिन कुछ महीनों के बाद उनका अवैध रेत उत्खनन का मामला ठंडे बस्ते में चला गया।पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को जब भोपाल लोकसभा से कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया था तो उनकी जीत के लिए बाबा ने हठयोग भी किया था।

मंडला में स्कूल की मान्यता नवीनीकरण के लिए डीपीसी ने मांगी रिश्वत, ईओडब्ल्यू ने पकड़ा

मंडला, दोपहर मेट्रो

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने मंडला जिला प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर (डीपीसी अरविंद विश्वकर्मा) और उनकी पत्नी आरती को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। विद्या निकेतन ककैया स्कूल की मान्यता नवीनीकरण के लिए डीपीसी ने स्कूल संचालक से 1.20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एपीसी अवधेश नारायण पांडे भी इस मामले सह आरोपी बनाए गए हैं। उन्होंने भी स्कूल संचालक से रिश्वत की मांग की थी। स्कूल संचालक रविकांत नंदा ने पांच दिन पहले 50 हजार रुपए दिए थे। डीपीसी ने 23 सितंबर को शेष राशि की मांग की। जबलपुर जाने के बहाने डीपीसी ने 60 हजार रुपए मांगे। स्कूल संचालक ने रिलायंस पेट्रोल पंप पर

लिफाफे में राशि सौंपी।डीपीसी ने अपनी पत्नी आरती को लिफाफा लेने को कहा। जैसे ही पत्नी ने रकम ली, ईओडब्ल्यू की टीम ने दोनों को पकड़ लिया। डीएसपी स्वर्ण जीत सिंह धामी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ईओडब्ल्यू की टीम आगे की पूछताछ कर रही है।

रक्तदान व अंगदान में निस्वार्थ सेवा के लिए शशांक का दिल्ली में हुआ सम्मान

इटारसी, दोपहर मेट्रो

युवा समाज सेवी और रक्तमित्र इटारसी समूह तथा शरद फाउंडेशन के संचालक इंजीनियर शशांक राजपूत को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक भव्य समारोह में वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस, इंग्लैंड द्वारा सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें रक्तदान, अंगदान और थैलेसीमिया सेवा के क्षेत्र में उनके निरंतर समर्पण और जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रोत्साहन प्रमाणपत्र के रूप में प्रदान किया गया। इंजी. शशांक राजपूत ने इस सम्मान को नर्मदापुरम जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए प्राप्त किया और कहा कि यह सम्मान मेरा या हमारी टीम

का नहीं, अपितु पूरे नर्मदापुरम जिले और हमारे प्रदेश का है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और उनकी टीम की संगठनात्मक शक्ति को दिया। सिल्वर जुबली उत्सव में सम्मान यह सम्मान समारोह रचनात्मकता, संस्कृति और सामाजिक चेतना के लिए कार्यरत संस्था की 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा के सिल्वर जुबली उत्सव के अवसर पर आयोजित किया गया था।

251 फिट चुनरी यात्रा निकाल माता को चढ़ाई

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष अनुसार माँ शारदा उत्सव समिति के तत्वधान में चुनरी यात्रा निकाली गई यह यात्रा पुराना धर्मकांटा से प्रारंभ होकर भावसार पुलिया, ब्लॉक ऑफिस, जयस्तंभ होती हुई माँ शीतला शक्तिधाम पहुंची। यात्रा के संयोजक रामराज झा ने बताया कि चुनरी यात्रा गत तीन वर्षों ने निकाली जा रही है प्रतिवर्ष अनेक श्रद्धालु इसमें सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेते हैं इस वर्ष 251 फीट लंबी चुनरी माता रानी को अर्पित की गयी। चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में माता, बहनों एवं अन्य श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया। चुनरी यात्रा के दौरान सभी जय माता दी के जयघोष करते चल रहे थे।

विहिप मातृशक्ति दुर्गावाहिनी की बैठक में किया शस्त्र पूजन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विश्व हिन्दू परिषद की महिला शाखा मातृशक्ति दुर्गावाहिनी की बैठक बालाजी नगर स्थित विहिप जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मातृशक्ति की विभाग संयोजिका ज्योति वर्मा ने कहा कि हमारे देश में अनादि काल से शस्त्र पूजन की परंपरा रही है आज के समय में भी शस्त्रों का विशेष महत्व है खासकर महिलाओं और युवतियों को भी आत्मरक्षा की दृष्टि से अपने पास कोई न कोई शस्त्र जरूर रखना चाहिए। जिससे उनमें आत्मविश्वास बना रहेगा और वे हर परिस्थिति से लड़ने में सक्षम होंगी। विहिप जिलाध्यक्ष मुकेश सेन ने कहा ने आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं पाकिस्तान के विरूद्ध सिंदूर अभियान का नेतृत्व भी भारत की महिला शक्ति ने ही किया था। जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी ने मातृशक्ति और दुर्गावाहिनी की स्थापना और उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान माता बहनों द्वारा शस्त्र पूजन कर देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के तत्पर रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मातृशक्ति जिला संयोजिका स्वदेश छावड़ा, बजरंग दल नगर संयोजक भजन प्रजापति, जिला सह संयोजिका मनोरमा भार्गव, मेघा भार्गव, संजना अहिरवार उपस्थित थीं।

सांसद चौधरी ने दिए व्यवहारिक टिप्स

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका में होने वाली जनसुनवाई का जायजा लेने सांसद दर्शन सिंह चौधरी नर्मदापुरम नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों से चर्चा की। जनसुनवाई में उपस्थित सभी को व्यवहारिक टिप्स दिए और नागरिकों की अधिक से अधिक समस्याओं के समाधान करने की बात कही। जनसुनवाई के दौरान सांसद श्री चौधरी ने उपस्थित सभी को टिप्स देते हुए कहा कि लोकसेवकों का स्वभाव हमेशा मृदु होना होना चाहिए। नगरपालिका एक ऐसी एजेंसी है जिससे सभी नागरिक सीधे जुड़े होते हैं। इस अवसर पर जनसुनवाई में नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, उपयंत्री अंबक पाराशर, रीना गुप्ता,आयुषी रिछारिया, दीक्षा तिवारी, कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे,पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित गौर, पार्षद और आवेदक उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर रामलीला महोत्सव में रावण-बाणासुर संवाद का मंचन देखने उमड़े दर्शक

धनुष भंजन ने बांधा समां, आज शाम निकलेगी श्रीराम बारात

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद इटारसी के तत्वावधान में आयोजित श्रीरामलीला एवं दशहरा महोत्सव में आज दर्शकों ने अद्भुत लीलाओं का मंचन देखकर भक्ति और रोमांच का अनुभव किया। ऐतिहासिक गांधी मैदान और नवनिर्मित वीर सावरकर स्टेडियम, पुरानी इटारसी, दोनों ही स्थानों पर दर्शकों की भारी भीड़ देर रात तक जमी रही। गुरुवार को रावण-वाणासुर संवाद, धनुष यज्ञ, धनुष भंजन और अत्यंत लोकप्रिय लक्ष्मण-परशुराम संवाद के प्रसंगों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

गांधी मैदान में, श्री बालकृष्ण लीला संस्थान वृंदावन के कलाकारों ने रावण और बाणासुर के अहंकार से भरे संवाद, धनुष यज्ञ की तैयारियों, श्रीराम द्वारा धनुष भंजन, और इसके बाद हुए लक्ष्मण-परशुराम संवाद का भावपूर्ण मंचन किया। इन कलाकारों की बेहतरीन कलाकारी और सशक्त संवाद अदायगी ने दर्शकों को मर्यादा पुरुषोत्तम राम

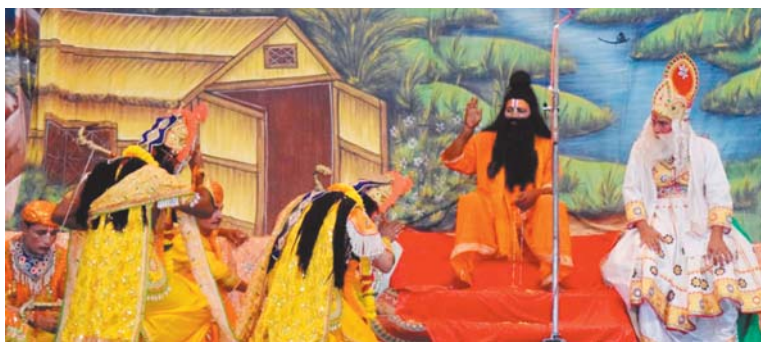

के आदर्शों और लक्ष्मण के तेज से बांधे रखा।

आज वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंघल, मुकेश मैना, नीरज जैन, संदीप तिवारी, दीपक अठौत्रा, कैलाश रैकवार, श्रीमती वंदना ओझा, सीमा भदौरिया, रमेश धूरिया और आकाश कुशराम ने भगवान की आरती करके रामलीला मंचन की शुरुआत करायी। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और उनकी पत्नी श्रीमती निधि चौरे भी हर रोज रामलीला में पूरे वक्त समय देकर मंचन देख रहे हैं।

इसी तरह, पुरानी इटारसी के वीर सावरकर मैदान में श्री जगदंबा मंडल सतना के कलाकारों ने भी रावण-बाणासुर संवाद और धनुष यज्ञ में देश-विदेश के राजा-महाराजाओं द्वारा किए गए असफल प्रयासों का मंचन किया। नगर पालिका परिषद के इस आयोजन में, हर वर्ग के दर्शक बड़ी संख्या में रामलीला का मंचन देखने पहुंच रहे हैं

आज शाम निकलेगी बारात

रामलीला के स्वयंवर प्रसंग के समापन के बाद, कल यानी 26 सितंबर की शाम को 5 बजे नगर में भव्य श्रीराम बारात निकाली जाएगी। यह बारात श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर से प्रारंभ होगी। इस दौरान विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा और नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे भगवान राम सहित चारों राजकुमारों का तिलक कर पूजन-अर्चन करेंगे। बारात श्री द्वारिकाधीश मंदिर से होते हुए पुराना फल बाजार, आठवी लाइन, सराफा बाजार, नीमवाड़ा, जयस्तंभ चौक और रेस्ट हाउस के सामने से गुजरते हुए अंत में गांधी स्टेडियम पहुंचेगी, जहां भगवान श्रीराम का विवाह संपन्न होगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने सभी नागरिकों से इस भव्य बारात में शामिल होकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

और हर दिन प्रसंगों के समाप्त होने के बाद ही अपनी सीट से उठ रहे हैं, जो उनकी गहरी आस्था और उत्साह को दर्शाता है।

ऑक्सीजन पार्क में किया वृक्षारोपण

सिरोंज। भारतीय जनसंघ के नेता,भाजपा संगठन के प्रेरणा पुंज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विधानसभा के सभी मंडलों के अंतर्गत आने वाले बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां वक्ताओं ने दीनदयाल के जीवन वृत पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व सुबह के समय लटेरी रोड स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय मानस उद्यान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्मरणों का स्मरण किया। इस दौरान बूथों पर आयोजित हुए कार्यक्रमों संबोधित करते हुए वक्ताओं ने एकात्म मानववाद के प्रणेता तथा मानव समाज की उन्नति प्रगति के लिए अंत्योदय के कल्याण का मंत्र देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन परिचय से कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए राजनीतिक दल के कार्यकर्ता के रूप उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान भाजपा नेताओं ने पार्क परिसर में फैले कचरे को एकत्रित कर झाड़ू लगाई। इसके उपरांत लटेरी रोड पर ही नगरपालिका द्वारा आकर ले हो रहे लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति ऑक्सीजन पार्क में पहुंचकर करीब एक सेकडा से अधिक पीपल के वृक्षों का रोपण किया।

पं. दीनदयाल की जयंती पर किया रक्तदान

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुरानी इटारसी द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया, शिविर में कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 22 यूनिट रक्तदान किया तथा 40 पंजीयन दर्ज हुए इस अवसर पर युवाओं ने मानव सेवा का संकल्प लिया। इसी अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भी श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई,कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों को आत्मसात कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन विनोद लोगरे ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल महामंत्री अतुल शुक्ला ने व्यक्त किया।

कल कुरवाई में आएंगे सीएम डॉ. मोहन यादव

सिरोंज। 27 सितंबर विधानसभा क्षेत्र कुरवाई पधार रहे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आगमन की तैयारियों को लेकर बुधवार को सिरोंज विकासखंड की एक प्रशासनिक बैठक का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की इस प्रशासनिक बैठक में सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा एवं कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कार्यक्रम में उपस्थिति के लक्ष्य प्रदान किए। दोपहर करीब दो बजे आयोजित हुई इस बैठक को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि आज भारत देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्दी ही हमारा देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। बैठक में मौजूद सभी प्रशासनिक इकाई के कर्मचारियों से मुख्यमंत्री के दौरे को सफल बनाने का अनुरोध किया।इसके पूर्व बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव,नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, भगत सिंह रघुवंशी, मंजू नीलम यादव व अन्य शामिल रहे।

रेजांगला कलश यात्रा नर्मदापुरम से रवाना

नर्मदापुरम। 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला के मोर्चे पर शहीद हुए अहीर यादव सैनिकों की स्मृति में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा निकाली जा रही रेजांगला कलश यात्रा गुरुवार देर रात नर्मदापुरम पहुंची। यहां रात्रि विश्राम के बाद आज सुबह यात्रा भोपाल के लिए रवाना हुई। नर्मदापुरम में यात्रा का स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव,विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मधुसुदन सुदन यादव,आत्माराम यादव,नंदकिशोर यादव सहित यादव समाज के लोगों ने किया। यात्रा नर्मदापुरम जिले के शिवपुर तहसील पहुंची थी। इस दौरान देवड़ा निवास पर समाजजन और पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा शिवपुर के मुख्य मार्गों से बस स्टैंड तक निकाली गई। इससे पूर्व उमरिया, लुचगांव और रिछी में भी यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। यात्रा में अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जिला अध्यक्ष मधुसुदन यादव, मनीष देवड़ा, सुभाष मंडलोई,उमाशंकर मंडलोई, राजेश यादव,कपिल यादव,रजत यादव,युवराज यादव,धीरज यादव,राजकुमार यादव सहित यादव अहीर महासभा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

सेवकों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

गंजबासौदा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के 56 वे स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि पीके जग्गा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को गढ़ने का कार्य करती है उन्होंने इकाई द्वारा कि जा रही गतिविधियों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता कुमारी अंजली झा वरिष्ठ स्वयंसेविका ने एनएसएस के राष्ट्रीय शिवरों के अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में समाजसेवी सुनील पिंगले एवं दीपक तिवारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता और युवाओं को समाज सेवा में भूमिका के बारे में बताया। प्राचार्य एमसी शर्मा ने जीवन में अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण कर उसके लिए संकल्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ सेवकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सागर में मुख्यमंत्री ने पाइपलाइन से घर-घर गैस पहुंचाने की योजना का किया शुभारंभ, बोले-

किसानों को मिलेगा उनकी उपज का वाजिब दाम और क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा

सागर. दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में जहां भी सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि अथवा बीमारी के कारण खराब हुई है। ऐसे सभी क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सोयाबीन की फसल का सर्वे कराया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि सर्वे के पश्चात किसानों को क्षतिग्रस्त सोयाबीन की फसल का समुचित मुआवजा भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सोयाबीन की फसल का एमएसपी रेट 5300 रुपए निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी यही रेट दिया जाएगा। किसी भी किसान को घाटा नहीं सहने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में धान पर भी बोनस बढ़ाया

गया है। किसानों को भावांतर भुगतान योजना के माध्यम से उनके खाते में बोनस का पैसा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत जैसीनगर में पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्मदिवस पर आयोजित मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा संकल्प जागरूकता अभियान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के करीब 215 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि एमएसपी से कम दर पर फसल बेची जाती है तो फसल का घाटा सरकार द्वारा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसानों की जिदंगी अच्छी और खुशहाल बने इसके लिए किसान सम्मान निधि केन्द्र सरकार और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लाड़ली बहनों के जीवन में खुशियां लाने के लिए लाड़ली बहनों को दीपावली की भाईदूज से हर माह 1500 रू. की राशि दी जाएगी।

शतरंज की बाजी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टर संदीप जी आर की अभिनव पहल जिसके माध्यम से जिले के विद्यालयों में शतरंज सिखाने का कार्य शुरू किया गया है. इसी को आज जैसीनगर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शतरंज खेलते हुए प्रदर्शनी स्थल पर रखा गया था। मुख्यमंत्री ने शतरंज देखकर तत्काल छात्र भौतिक सिंह जाट के साथ बैठकर शतरंज खेला। मुख्यमंत्री ने सफेद मोहरों को चुना और खेलना शुरू किया। खेल में राजा, रानी, उट, घोड़ा, हाथी, प्यादा गोटियों को चलना शुरू किया।

- मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने जैसीनगर प्रवास के दौरान गोवर्धन टोरी पर स्थित गोवर्धन मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने भगवान गोवर्धन की पूजा की एवं आरती उतारी। गोवर्धन भगवान की मूर्ति देखकर कहा कि बहुत ही मनमोहन मूर्ति है।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को गले लगाया। सीएम जैसीनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे कलाकारों से मिले और उनकी प्रस्तुति देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने कलाकारों को गले लगाकर आशीर्वाद दिया।
- जैसीनगर को नगर परिषद बनाने, जैसीनगर का नाम बदलकर जयशिवनगर रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सागर जिले में बेबस नदी परियोजना की स्वीकृति की घोषणा की।

पैसे की कमी नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की योजनाएं चलाने के लिए सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है। प्रदेश में कृषि के साथ-साथ पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आज मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश को हम दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पहले नंबर पर लाने का प्रयास कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशाला खोलने पर किसानों को लभगग 40 लाख रू. की राशि मुहैया कराई जा रही है। जिसमें 10 लाख रू. का अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनके घर गाय है वह गोपाल है, मध्यप्रदेश का हर बच्चा कृष्ण है। भगवान श्री कृष्ण हो या भगवान श्री राम इनके जीवन का एक एक प्रसंग हम सभी को प्रेरणा देता है। भगवान श्री कृष्ण का एक नाम दीनदयाल भी है, दीनदयाल यानि गरीब से गरीब आदमी की चिंता करने वाला।

वीरों और महावीरों की धरती

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं बुंदेलखंड की धरती पर आया हूं तो मुझे अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती हीरों, वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड की धरती ने अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए देश भक्ति की मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम एवं सिंगल विंडो पोर्टल का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि सिटी गैस पोर्टल के माध्यम से गांव गांव तक गैस का कनेक्शन घर-घर तक मिलेगा। आज इसकी शुरुआत जैसीनगर से हो रही है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो के माध्यम से सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क से कंपनियों द्वारा घर घर गैस कनेक्शन देने का काम किया जाएगा।

राशन कतार खत्म होगी

समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक बेहतर और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा संकल्प जागरूकता से राशन लेने वालों की कतार खत्म हो जाएगी। हर परिवार का नाम एसएमएस मोबाइल पर होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में घर घर तक गैस का वितरण पाईप लाईन के माध्यम से होगा। राजपूत ने कहा कि राशन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से वर्ष में 2 बार ग्राम सभाओं में राशन लेने वाले हितग्राहियों के नामों का वाचन किया जाएगा। समारोह को सांसद डॉ. लता वानखेडे, नरयावली विधायक प्रदीप लारिया,जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत ने भी संबोधित किया।

गौवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध सरकार

समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गौवंश हत्या को प्रतिबंधित करने का सख्त कानून बनाया है, इस कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त सजा का प्रावधान भी किया गया है. गौवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार ने गाय के संरक्षण के लिए प्रति गाय 40 रुपए तक का खर्च बढ़ाया है।

सिद्धांत पर कार्य करने एवं जनसेवा की नसीहत

डॉ. यादव ने राजनीतिक क्षेत्र में रहकर भी सेवा के मूलभाव के सिद्धांत पर कार्य करने एवं जनसेवा की नसीहत दी। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपाल भार्गव, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सांसद लता वानखेड़े, विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, वीरेंद्र सिंह लोधी, निर्मला सप्रे, महापौर संगीता तिवारी, निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार. श्याम तिवारी भी उपस्थित रहे।

अधिसूचना रद्द करने की मांग

जबलपुर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में गोमांस को करमुक्त करने की अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य में राजनीतिक और सामाजिक माहौल गरमा गया है। प्रदेश के कई जिलों में विरोध के स्वर उठ रहे हैं जबलपुर, नरसिंहपुर और उज्जैन संभाग के देवास,नीमच में भी विरोध दर्ज किया गया। विश्व हिंदू परिषद ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे जनभावनाओं के विपरीत और गौ-संरक्षण की नीतियों के विरोधाभासी बताया है। विश्व हिंदू परिषद ने इस अधिसूचना को तत्काल निरस्त करने की मांग की है और चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने यह फैसला वापस नहीं लिया, तो बड़े स्तर में विरोध प्रदर्शन होंगे। विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री पंकज श्रीवास्तव ने कहा, एक तरफ सरकार गो-संरक्षण वर्ष मना रही है और दूसरी तरफ गौमांस को करमुक्त कर गौहत्या को बढ़ावा दे रही है। यह सीधा-सीधा हिंदू समाज की आस्था पर आघात है। उन्होंने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए इस अधिसूचना को तुरंत रद्द करने की मांग की है।

पोस्ट ऑफिस से साढ़े 7 लाख रुपए चुराए

रतलाम। रतलाम में चोरी की एक अजब घटना सामने आई है। यहां रतलाम के मुख्य पोस्ट ऑफिस में 9 ताले ग्राइंडर कटर से काट करीब साढ़े 7 लाख रुपए चुरा लिए गए। चोर गिरफ्त में आया तो पता चला कि उसकी उम्र 28 साल है। चोरी के पहले उसने ओटीटी पर डकैती वाली फिल्म देखी थी कि वारदात के बाद कैसे बचा जा सकता है। पकड़े गए तो, कितनी सजा होगी। यूट्यूब पर सर्च कर यह सबकुछ भी जाना था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल से पता चला कि उसने गुगल पर सर्च किया था कि चोरी कितने बजे करनी चाहिए। कब पुलिस की गश्त कम रहती है। चोर ने पुलिस से बचने के लिए हर पैंतरा अपनाया, लेकिन एक क्लू सबूत से वह सलाखों के पीछे पहुंच गया। सीसीटीवी फुटेज में रेन कोट पहने और मुंह पर कपड़ा बांधे चोर कोषालय में घूमते और कोषालय की खिड़की से कूदकर निकलते दिखा।

अलग ही छटा बिखेर रहीं झांकियां

सागर. सागर में इन दिनों शारदीय नवरात्र पर जहां श्रद्धा, आस्था के साथ शक्ति की भक्ति की जा रही है वहीं दुर्गा पंडालों आकर्षक साजसज्जा में माँ अंबे की नयनाभिराम प्रतिमाएं स्थापित की गयी हैं. झिलमिल विद्युत सज्जा में सजी झांकियां भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. कटरा नमक मंडी,गुजराती बाजार व राधा तिराहे पर श्री लाल कमल,नील कमल और श्वेत कमल काली की झांकियां अपनी अलग ही छटा बिखेर रहीं हैं। शहर के मुख्य बाजार में बने इन पंडालों में सुरक्षा के तमाम इंतजाम किए गए हैं। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस की तैनात है. आरती के बाद प्रसाद का वितरण हो रहा है. मंडलियों के भजनों व बुंदेली भक्तों के गायन पर श्रद्धालू झूम रहे हैं।

जंगली हाथी ने फसलों को किया चटपट

कटनी। जिले के बरही तहसील में एक जंगली हाथी बांधवगढ़ नेशनल पार्क से भटक कर जगुआ गांव पहुंचे इस हाथी ने किसानों की धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। तीन दिन से यह हाथी रात के समय खेतों में घुसकर फसलों को नष्ट कर रहा है। छोटे लाल साहू, प्रदीप साहू, शंभु साहू, फूलचंद भूमिया और दुलीचंद भूमिया सहित कई किसानों की धान की फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी हैं। किसानों का कहना है कि हाथी रात में आकर फसल को रौंद देता है। कटनी के डीएफओ गौरव शर्मा के अनुसार, कटनी जिले का कुछ हिस्सा बांधवगढ़ नेशनल पार्क के बफर जोन में आता है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है।

मंदसौर में गरबा पांडाल में घुसा सांप

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

खिलचीपुरा स्थित माली मोहल्ले में बने गरबा पंडाल के पास अचानक एक सांप दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत सर्पमित्र कमल दास बैरागी को सूचना दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और बड़ी सावधानी से करीब 5 फीट लंबे सांप को काबू में किया। रेस्क्यू के दौरान बड़ी संख्या में लोग घटना स्थल पर इकट्ठा हो गए। रेस्क्यू के बाद कमल दास बैरागी ने कोबरा को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

वीडियो बनाकर युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के मालथौन थाना तहत एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या के पहले युवक ने मोबाईल पर वीडियो भी बनाया जिसमें युवक ने दो महिलाओं व एक युवक पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार

मालथोन के वार्ड नंबर 4 निवासी 28 वर्षीय युवक मोहित पिता लखन पाटकर ने अपने ही घर में फंदे पर झूलकर सुसाइड कर ली। घटना के बाद मृतक का वीडियो एक सामने आया है, जिसमें उसने मालथौन निवासी दो महिलाओं व और एक युवक पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। जानकारी मिलते ही मालथौन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक ने तीन लोगों पर आरोप लगाए हैं, उनमें एक मुस्लिम महिला, एक मुस्लिम युवक के साथ एक हिंदू महिला भी शामिल है। मामले को लेकर मालथौन थाना प्रभारी अशोक यादव का कहना है कि मोहित की सुसाइड के बाद उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। मृतक ने जिन लोगों पर आरोप लगाए हैं, उसकी जांच करेंगे। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में युवक ने महिला पर लव जेहाद के आरोप लगाए हैं. वीडियो में युवक ने कहा कि, आरोपियों का कहना है कि उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। पुलिस से उनकी पहले से सांठगांठ है तो, हिंदू संगठन भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। इसके अलावा भी मृतक ने वीडियो में कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

डिंडोरी में 5 हजार लोगों ने मांगा चरित्र प्रमाण पत्र

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

डिंडोरी के विभिन्न गांवों से बहेलिया समाज के लोग जिला पंचायत अध्यक्ष के बंगले पहुंचे। उन्होंने चरित्र प्रमाण पत्र की मांग की। समाज के सचिव कुंवर सिंह और शिवचरण मरावी के अनुसार, जिले के 14 गांवों में करीब 5 हजार समाज के लोग अस्थाई झोपड़ियों में रहते हैं। शासन ने इन्हें अर्ध घुमक्कड़ जाति में शामिल किया है। इनके पास न तो रहने के लिए स्थाई जमीन है और न ही रोजगार। ये लोग झाड़ू बनाकर ग्वालियर, भिंड, मुरैना, जबलपुर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बेचने जाते हैं। वहां की पुलिस इन्हें चोर समझकर मारपीट करती है।कोहका गांव के मनोहर मरावी ने बताया कि उनके पास न घर है, न खेती की जमीन। शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता। मजबूरी में पलायन करना पड़ता है। बच्चे भी शिक्षा से वंचित हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कलेक्टर नेहा मारव्या से बात कर चरित्र प्रमाण पत्र बनवाने और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया है।

मजदूर को घेर कर बुरी तरह पीटा, केस

नीमच, दोपहर मेट्रो

शहर में एक मजदूर पर देर शाम को 7-8 लोगों ने हमला कर दिया। चौथखेड़ा निवासी तेजू (31) नाकोड वेयरहाउस में मजदूरी करते हैं। वह काम से घर लौट रहे थे। जमनियाकला में पाराशर ब्रदर्स के पास पहुंचते ही कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। हमलावरों ने युवक के साथ मारपीट की। इस दौरान उनके सिर में गंभीर चोट आई। युवक ने तुरंत अपने परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें जिला चिकित्सालय ले गए। इलाज के बाद तेजू और उनके परिजन नीमच सिटी थाने पहुंचे। उन्होंने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उन्हें हमलावरों की पहचान नहीं है। यह भी नहीं पता कि उन्होंने हमला क्यों किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

वार्षिक आमसभा की सूचना

शिव शक्ति कृषक उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित सिवनी मालवा के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक आम सभा दिनांक 29/09/2025 दिन सोमवार को दोपहर 12 बजे स्थान साईं श्रद्धा परिसर सिवनी मालवा के प्रांगण में रखी गई है। जिसमें सूचना पत्र में उल्लेखित विषयों पर विचार किया जायेगा। अतः आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

नोट : गणपूर्ति न होने की दशा में वार्षिक आमसभा की बैठक स्थगित की जाकर उसी स्थान पर आधा घंटे पश्चार 12.30 बजे पुनः आयोजित कर प्रस्तावित विषयों पर निर्णय लिये जायेंगे।

1. संस्था का वर्ष 2024-25 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं अंकेक्षित लेन देन पत्रक और लाभ हानि पत्रक अनुमोदित करना।
2. वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित वार्षिक कार्यक्रम का अनुमोदन करना।
3. बैंक के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए सांविधिक संपरीक्षा की नियुक्ति बाबत विचार करना।
4. वर्ष 2024-25 में संचालक मंडल के निर्णयों की पुष्टि बाबत।
5. वर्ष 2024-25 में संस्था द्वारा किए गए खर्चों की पुष्टि बाबत।
6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से रखे जावेगी।

नोट - अन्य विषय के अंतर्गत बही प्रस्ताव विचारणीय होंगे जो वार्षिक आमसभा को निर्धारित तिथि से 5 दिन पूर्व लेखीय में सविवरण प्रबंध संचालक के लिए जावेगे।

दुर्गा बाई
अध्यक्ष

वीरेंद्र राजपूत
प्रबंधक

मेट्रो एंकर दमोह के साथ सागर, नरसिंहपुर और जबलपुर को भी मिलेगा पर्यटकों से रोजगार

कर्नाटक से 10 हाथियों का जत्था आएगा, पेंच और कान्हा को टक्कर देगा रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

देश और दुनिया के नक्शे पर क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व चमकेगा। खजुराहो, ओरछा, पन्ना के साथ अब वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में भी देसी-विदेशी पर्यटक आएंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शासन से दो रिसॉर्ट खोलने की स्वीकृति मिल गई है। पर्यटकों को सैर-सपाटे के साथ टाइगर्स की निगरानी के लिए कर्नाटक से 10 हाथियों का जत्था में भी लाया जाएगा। सब कुछ तय प्लान के अनुसार चला तो आने वाले एक साल में पेंच व कान्हा को टक्कर देने के लिए वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व तैयार हो जाएगा

2339 वर्ग किलोमीटर में फैले इस टाइगर रिजर्व में बाघों के लिए 1414 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र

संरक्षित कर कोर एरिया घोषित किया गया है। इस हिसाब से देखें तो यहां वर्तमान में मौजदू 25 बाघों में से हर एक के हिस्से में लगभग 59 वर्ग किलोमीटर का एरिया आता है। अच्छी बात यह है कि 65 फीसदी संख्या बाघिनों की है बाघिन एक बार में 3-4 शावकों को जन्म दे रही हैं। आखिरी बार वंशवृद्धि की खबर पांच माह पहले मिली बाघिन एन-112 अपने 4 शावकों के साथ कैमरे में कैद हुई थी। एक और सुखद संकेत यह है कि टाइगर रिजर्व से गांवों के विस्थापन के बाद एरिया और बाघिनों की तादाद बढ़ने से बाघों के बीच संघर्ष की खबरें नहीं आ रहीं। आखिरी बार 2 साल पहले नौरादेही के पहले बाघ किशन एन-2 की एक बाहरी बाघ से संघर्ष में मौत हो गई थी

पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण से रोजगार के साधन बढ़ेगे। स्थानीय लोगों खासकर आदिवासी समुदाय की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा दमोह ही नहीं बल्कि सागर नरसिंहपुर और जबलपुर जिले में रोजगार के नए साधन पैदा होंगे।

E-mail id-mobhopal@gmail.com

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक/2910/खनिज/2025 **सूचना** भोपाल दिनांक 22/9/25

(म.प्र. गौण खनिज नियम-1996 के नियम-18-क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अमन यादव आ. श्री महेश यादव निवासी बहेरिया एलियास, रूपनगर ईसागढ़ जिला अशोक नगर म.प्र. द्वारा गौण खनिज नियम -1996 के नियम -18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र क्र. 450 दिनांक 02.09.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है : -

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	मस्तीपुरा	109 (एस) 110 (एस)	2.023 हे.	निजी भूमि	मुरूम	2.023 हे.

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा जिला भोपाल में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

G19092/25

प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा)
जिला भोपाल (म.प्र)

एशिया कप का फाइनल रोमांच तय, पूरी हुई भारत- पाक में तीसरी भिड़ंत की आस

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एशिया कप 2025 का रोमांच अब अपने आखिरी मुकाम पर पहुंच गया है।दुबई में खेले गये बेहद नजदीकी मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया से होगा। गौरतलब है कि एशिया कप के इतिहास में पहली बार दोनो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जायेगा। मौजूदा टूर्नामेंट में दोनो टीमों के बीच यह तीसरी भिड़ंत होगी।8 टीमों के बीच हो रही इस चैंपियनशिप के आगाज में ही दोपहर मेट्रो में प्रकाशित हमारे लेख(रोमांच एशिया कप या सस्पेंस तीसरी भिड़ंत का) में जिस बात का जिक्र किया था, उस पर कल खेले मैच में पक्की मुहर लग गयी।दरअसल पिछले कुछ समय से भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव और ऑपरेशन सिंदूर की वजह क्रिकेट के मैदान को भी भावनाओं की जंग का अखाड़ा बना दिया गया है।दोनों टीमों के बीच होने वाला क्रिकेट मैच भले ही एकतरफा हो रहे हों,लेकिन उसके पूर्वानुमान के जरिये खेल की जानकारी से वास्ता न रखने वाले लोग भी इसकी बारीकियों पर अपनी राय देते नजर आते हैं।वैसे भी जब दोनों टीमों के खिलाड़ी खेल से हटकर भी मैदान में कुछ अलग करके खेलप्रेमियों का ध्यान खींचने की कोशिश करें तो मुकाबलों का बहुचर्चित होना तय है।मतलब साफ है आने वाले 3 दिनों यानी एशिया कप के फाइनल सुपर संडे तक भारत-पाकिस्तान क्रिकेट की तरह तरह के

पोस्टमार्टम(खेल और खेल के बाहर) सुर्खियों में रहने वाले हैं।वैसे बात अगर एशिया कप 2025 के आयोजकों ओर प्रायोजकों के नजरिये से करें,तो फिर शायद उनकी सबसे बडी सफलता दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच तीन भिड़ंत की आस को ध्यान में रखते हुए मैचों का निर्धारण तय करना था,जिसमें वह सफल हुए।वैसे तो क्रिकेट को अनिश्चितताओ का खेल कहा जाता है,लेकिन कई मौकों पर यह अपवाद ही नजर आता है।खैर यह सब बातें तो खेल के मैदान से हटकर होती हैं और यह टूर्नामेंट के खिताबी भिड़ंत तक सुर्खियों में रहने वाली ही हैं। अब अगर हम पाकिस्तान-बंगलादेश के बीच हुए बेहद नजदीकी मुकाबले की बात करें तो फिर पूरे टूर्नामेंट की तरह इस मैच में भी पाकिस्तान के पुछल्लों ने ही दोहरा किरदार निभा कर टीम की लाज बचायी।भले ही पाकिस्तान टीम ने अब फाइनल में जगह हासिल कर ली है लेकिन मेरे नजरिये में यह टीम इस मुकाम के लिए कतई फिट नहीं थी,लेकिन शायद यही क्रिकेट की खूबी है।मौजूदा टूर्नामेंट का फाइनल तय होने के बाद आज 8 बार की विजेता टीम इंडिया का मुकाबला 6 बार की चैंपियन श्रीलंका से होना है।एक ओर जहां श्रीलंका टीम के लिए इस मैच के कोई मायने नहीं हैं जबकि टीम इंडिया फाइनल से पहले अपनी तैयारियों को मजबूत करने उतरेगी।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि टीम इंडिया का मैनेजमेंट किस अंदाज में इस मैच को लेता है,क्योंकि बंगलादेश के खिलाफ हुए मैच में उसके प्रयोगों की खूब आलोचना हुई है।वैसे मेरा सोचना यही है कि भले ही श्रीलंका से होने वाले इस मैच के मायने अधिक न हो लेकिन फिर भी टीम इंडिया के मैनजमेंट को खिलाड़ियों की लय से इस मैच में तो कोई छेड़खानी नहीं करना चाहिए।

एशिया कप-सूर्यकुमार यादव की मैच रेफरी संग सुनवाई पूरी

आईसीसी आज सुनाएगा फैसला पीसीबी ने दर्ज कराई थी शिकायत

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुकाबले में काफी विवादित पल देखने को मिले। इसे लेकर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्डऔर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में एक-दूसरे के खिलाड़ियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

वहीं बीसीसीआई ने साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ के खिलाफ आईसीसी का दरवाजा खटखटाया था। सूर्यकुमार यादव की आईसीसी की एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन के सामने सुनवाई 25 सितंबर (गुरुवार) को पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक मैच रेफरी आज अपना अंतिम निर्णय देंगे। वहीं पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ मैच रेफरी की सुनवाई 26 सितंबर को ही होगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ दो मुद्दों को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। पहला तो उनके कमेंट्स, जिन्हें पीसीबी ने राजनीति से प्रेरित बताया। इसके अलावा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हैंडशेक नहीं करने के चलते भी पीसीबी ने सूर्यकुमार यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पीसीबी की शिकायत में दम नहीं

बता दें कि ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत को भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम हमले के पीड़ितों और भारतीय सेना को समर्पित किया था। ये भावनाओं को ध्यान में रखकर दिया गया बयान था और इसे लेकर पीसीबी ने जानबूझकर भ्रम फैलाया। उधर आईसीसी के रूल बुक में कहीं नहीं लिखा है कि हैंडशेक करना अनिवार्य है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव को शायद ही कोई सजा मिले। उधर बीसीसीआई ने शिकायत में कहा था कि साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ ने भारत के खिलाफ सुपर-4 मैच में उकसाने वाले इशारे और विवादित व्यवहार किए थे। हारिस रऊफ ने विमान गिराने जैसा इशारा किया और भारतीय खिलाड़ियों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को गालियां दीं। वहीं साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद गन सेलिब्रेशन किया। सूर्यकुमार यादव की तरह साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ ने भी आरोपों से इनकार किया है, इसलिए दोनों रेफरी के सामने पेश होंगे। फरहान ने बल्ले को मशीनगन की तरह पकड़ा और जश्न मनाया था। फरहान ने कहा था, वो जश्न उस वक्त अचानक दिमाग में आया था।

सूर्यकुमार यादव ने बढ़ाई भारत की चिंता, पिछली 9 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं

नई दिल्ली । एक दौरा था जब टी20 में सूर्यकुमार यादव का जलवा था। दुनिया का कोई भी बल्लेबाज क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में उनके आस-पास भी नहीं था। वह लंबे समय तक टी20 में आईसीसी के नंबर वन रैंक के बल्लेबाज रहे। पिछले कुछ समय से उनके बल्ले ने रन उगलना लगभग बंद कर दिया है। सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म ने भारतीय टीम की चिंता बढ़ा दी है। कभी अपने अजीबोगरीब शॉट, स्ट्राइक रेट और टी20 फॉर्मेट में निरंतरता के लिए चर्चा में रहने वाले सूर्यकुमार यादव की मौजूदा स्थिति दयनिय है। टी20 में कभी उनके सामने गेंदबाज आने से डरा करते थे, लेकिन पिछले 10 मैचों की 9 पारियों में सूर्यकुमार यादव के बल्ले से एक भी अर्धशतक नहीं आया है। एशिया कप 2025 के लीग मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 47 रन उनका पिछली 9 पारियों में शीर्ष स्कोर है। सूर्या टीम के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। उनका रन बनाना बेहद अहम है, लेकिन लंबे समय से बल्लेबाजी में उनकी असफलता ने भारतीय टीम की परेशानी को बढ़ा दिया है। कप्तानी ने सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी को कहीं न कहीं प्रभावित किया है। कभी शीर्ष स्थान पर रहे सूर्या आईसीसी रैंकिंग में छठे नंबर पर चले गए हैं। टीम उनकी कप्तानी में लगातार जीत रही है, लेकिन उनकी अपनी फॉर्म निचले स्तर पर चली गई है। सूर्या पिछली 10 मैचों की 9 पारियों में 4 बार दो अंकों में जा सके हैं। ओमान के खिलाफ वह बल्लेबाजी के लिए नहीं आए थे।

स्पेन ला लीगा : रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के बीच अक्टूबर में मुकाबला

मैड्रिड । स्पेन के ला लीगा ने बुधवार को चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के बीच इस सीजन के पहले एल क्लासिको की तारीख की घोषणा की। यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला 26 अक्टूबर को सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में मध्य यूरोपीय समयानुसार 16:15 बजे खेला जाएगा। रियल मैड्रिड के कोच जाबी अलोंसो के लिए यह पहला क्लासिको मैच होगा, जो पिछले सीजन में बार्सिलोना के खिलाफ कार्लो एंसेलोटी के रिकॉर्ड को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। 2024-25 सीजन में, बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को चार बार हराया। बर्नब्यू में 4-0 से और ला लीगा में मोंटजुइक में 4-3 से जीत हासिल की, साथ ही सऊदी अरब में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 से जीत हासिल की, और सेविले में कोपा डेल रे फाइनल में 3-2 से जीत हासिल की, जिसमें जूल्स कुंडे ने 116वें मिनट में विजयी गोल किया। रियल मैड्रिड वर्तमान में छह मैचों में से छह जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर है, जबकि बार्सिलोना पांच अंक पीछे है। हांसी फ्लिक की टीम का गुरुवार रात ओविएडो में एक मिडवीक मैच होना बाकी है। इस बीच, बार्सिलोना इस मैच में स्पेन के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर गावी के बिना उतरेगा, जिनके दाहिने घुटने का एक और ऑपरेशन होना है, जिसके कारण वह चार से पांच महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे।

हम टीम इंडिया को भी हरा सकते हैं..., बांग्लादेश को हराकर बोले सलमान

दुबई। दुबई में एशिया कप सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस रोमांचक जीत के बाद कप्तान सलमान अली आगा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि उनकी टीम किसी भी प्रतिद्वंदी को हराने का दम रखती है, यहां तक कि भारत को भी। अब एशिया कप के फाइनल में भारत-पाकिस्तान की 28 सितंबर के बीच महामुकाबला तय हो गया है। कुल मिलाकर पाकिस्तान और भारत तीसरी बार इस टूर्नामेंट में एशिया कप 2025 के खिताब के लिए आमने-सामने होंगे। सलमान ने मैच के बाद कहा- अगर आप ऐसे मुकाबले जीतते हैं, तो इसका मतलब है कि आप एक स्पेशल टीम हैं, सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम ऐलान,

करुण नायर हुए बाहर, गिल कप्तान-जडेजा बने उपकप्तान

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा की।

भारतीय टीम में कुछ बड़े बदलाव किए गए हैं। भारतीय टीम की कमान शुभमन गिल को दी गई है। इसके अलावा, रवींद्र जडेजा को उपकप्तान का जिम्मा सौंपा गया है। इसके साथ ही करुण नायर, साई सुदर्शन और आकाशदीप को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है, जबकि देवदत्त पडिक्कल की टीम इंडिया में फिर से वापसी हुई है। विकेटकीपर ऋषभ पंत अभी फिट नहीं हो पाए हैं, इसकी वजह से उनके स्थान पर नारायण जगदीशन को टीम में जगह मिली हैं। अक्षर पटेल की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट 2 से 6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

बॉलीवुड का कोना

ट्रेडिशनल लुक में दिखीं ईशा कोप्पिकर बोलीं- देवी की कृपा से हर दिन सुनहरा है

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए मां की कृपा का बखान किया। ईशा ने पीले रंग की खूबसूरत ड्रेस पहनी है, जो उनकी शानदार शख्सियत को निखार रही है। उन्होंने कान में बड़े-बड़े झुमके, एक हाथ में ब्रेसलेट, दूसरे में स्टाइलिश घड़ी, उंगलियों में रिंग और पैरों में पारंपरिक मोजड़ी से लुक पूरा किया। वहीं, मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपने बालों को आगे से स्टाइल किया और पीछे खजूर चोटी बनाई, जो उन्हें और आकर्षक बना रहा है।

पहली तस्वीर में ईशा एक हैंडबैग लिए बैठकर शानदार पोज दे रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे अपनी दिलकश अदाओं से सबका दिल जीत रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ देख रही हैं, जो उनकी सादगी और आत्मविश्वास को दर्शाता है। बाकी तस्वीरों में भी उन्होंने अलग-अलग अंदाज में पोज दिए हैं।

ईशा ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, आज का पीला रंग सूरज की तरह चमक रहा है। यह खुशी, समर्पण और देवी की कृपा को फैलाता है। ईशा का यह स्टाइलिश अंदाज और भक्ति भाव उनके प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। उन्होंने उनकी तस्वीरों की जमकर तारीफ की।

ईशा का फिल्मी सफर इतना आसान नहीं था, उन्होंने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा से की थी। इसके बाद वह बॉलीवुड में आ गईं। अभिनेत्री ने 2003 में रिलीज हुई 6 फिल्मों में नजर आईं। इन फिल्मों में तुझे मेरी कसम, दिल का रिश्ता, डरना मना है, पिंजर, एलओसी और कयामत शामिल हैं। फिल्म पिंजर को नेशनल अवॉर्ड दिया गया था। इसी तरह से 2004 में उनकी 6 फिल्में रिलीज हुईं। इन फिल्मों में रुद्राक्ष, कृष्णा कॉटेज और इंतेकाम शामिल हैं। साल 2005 में ईशा कोप्पिकर फिल्म क्या कूल हैं हम, मैंने प्यार क्यूं किया और 36 चाइना टाउन का हिस्सा रहीं। 2006 में वह डॉन में नजर आईं।

डांडिया नाइट में रेणुका पंवार ने मचाया धमाल, लोगों को पसंद आया उनका अंदाज

हरियाणवी गायिका रेणुका पंवार इन दिनों नवरात्रि के उत्सव में पूरी तरह डूबी हुई हैं। हाल ही में वह एक डांडिया नाइट इवेंट में गईं, जिसका वीडियो उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। रेणुका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह एक शो के मंच पर जाती नजर आ रही हैं। मंच पर वह कभी अपनी मधुर आवाज में गाना गाती दिखती हैं, तो कभी धुनों पर थिरकती हुई नजर आती हैं।

स्टेज के नीचे दर्शकों की भीड़ डांडिया और गरबा खेलते हुए उत्साह के साथ इस रंगारंग आयोजन का आनंद ले रही है। रेणुका की ऊर्जा और उनके प्रदर्शन ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस मौके पर रेणुका ने सफेद और लाल रंग के मिश्रण वाला खूबसूरत लहंगा पहना था। उनके इस परिधान पर लाल रंग की डिजाइन बनी हुई है, जो उनकी सुंदरता को और बढ़ा रही है। इसके साथ ही उन्होंने एक मैचिंग जैकेट भी पहनी है, जिस पर रंग-बिरंगे पैटर्न की कढ़ाई है, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है।

रेणुका ने अपने लुक को भारी आभूषणों के साथ और निखारा। उन्होंने गले में नेकलेस, हाथों में सिल्वर कंगन, उंगलियों में अंगूठियां और कानों में बड़े-बड़े झुमके पहने हैं, जो उनके पारंपरिक परिधान को और भी खास बना रहे हैं। वहीं, रेणुका ने हल्का मेकअप किया और बालों को अच्छे से स्टाइल किया है। रेणुका ने अपने पोस्ट को बस एक शब्द का कैप्शन दिल्ली दिया।इस संक्षिप्त कैप्शन से उनके प्रशंसक अनुमान लगा रहे हैं कि यह शानदार आयोजन दिल्ली में हुआ होगा।

मेट्रो बाजार

जीएसटी से एसी की कीमतों में 2,000 से 3,000 की कमी

नई दिल्ली । जीएसटी सुधार के कारण रूम एयर कंडीशनर की कीमतों में 3,000 रुपए तक की कमी आ गई है। इससे नए एनर्जी सेविंग गाइडलाइन को लागू करने में मदद मिलेगी। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया कि 2 टन से कम वजन वाले आरएसी पर जीएसटी में कटौती से कीमतों में लगभग 6-8 प्रतिशत की कमी आने की संभावना है, जिससे प्रति यूनिट लगभग 2,000-3,000 रुपए की बचत होगी, जो खरीदारों के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन होगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत, आरएसी पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। इस कदम से वित्त वर्ष के अंत में मांग में भी वृद्धि हो सकती है। आईसीआरए के मुताबिक, एनर्जी की खपत में कमी लाने के लिए जनवरी 2026 से लागू होने वाली स्टार लेबल गाइडलाइंस से एसी की कीमतें 500 रुपए से लेकर 2,500 रुपए तक बढ़ सकती हैं। ऐसे में जीएसटी 2.0 से बढ़ी हुई लागत को कम करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में बताया गया, अप्रैल-जुलाई में बेमौसम बारिश के कारण मांग में कमी के चलते वित्त वर्ष 26 में उद्योग की मात्रा में सालाना आधार पर 10-15 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। आईसीआरए ने कहा, बेमौसम और औसत से अधिक बारिश के कारण लू के दिनों की संख्या कम हो गई, जिसके परिणामस्वरूप अप्रैल-जुलाई 2025 में बिक्री की मात्रा में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 40-50 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई थी।

एनएसई पर यूनिक निवेशकों की संख्या 12 करोड़ के पार, महिलाओं की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हुई

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर यूनिक निवेशकों की संख्या 12 करोड़ से अधिक हो गई है। यह जानकारी गुरुवार को एक्सचेंज की ओर से दी गई। एनएसई ने बताया कि कुल निवेशक खातों (यूनिक क्लाइंट कोड्स) की संख्या 23।5 करोड़ हो गई है, जो कि जुलाई 2025 में 23 करोड़ को पार कर गई थी। इसमें आज तक हुई सभी ग्राहक पंजीकरण शामिल हैं। ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग मेंबर्स के साथ पंजीकरण कर सकते हैं। इस कारण से निवेशक खातों की संख्या हमेशा यूनिक इन्वेस्टर्स से अधिक रहती है। एनएसई के अनुसार, आज हर 4 निवेशकों में से एक (करीब 25 प्रतिशत) महिलाएं हैं। 12 करोड़ यूनिक निवेशकों की मीडियन ऐज 33 वर्ष हो चुकी है, जो कि 5 साल पहले 38 वर्ष थी और 40 प्रतिशत निवेशकों की संख्या 30 वर्ष से कम की है।

एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर श्रीराम कृष्णन ने कहा, इस साल, हमने अपने निवेशक आधार के मामले में एक और महत्वपूर्ण मानदंड पार कर लिया है। जनवरी में 11 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बाद, यह सराहनीय है कि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति को लेकर लगातार बनी चिंताओं के बावजूद, एनएसई से जुड़ने वाले निवेशकों की संख्या लगभग आठ महीनों में एक करोड़ अतिरिक्त बढ़ गई है। इस स्थिर वृद्धि को कई प्रमुख कारकों का समर्थन प्राप्त है, जिसमें एक सुव्यवस्थित केवाईसी प्रक्रिया, हितधारकों के नेतृत्व वाले निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बढ़ी हुई वित्तीय साक्षरता, और निरंतर सकारात्मक बाजार धारणा शामिल है।

व्हेल वैली: धरती पर समुद्री जीवन के विकास को समझने की खुली पाठशाला

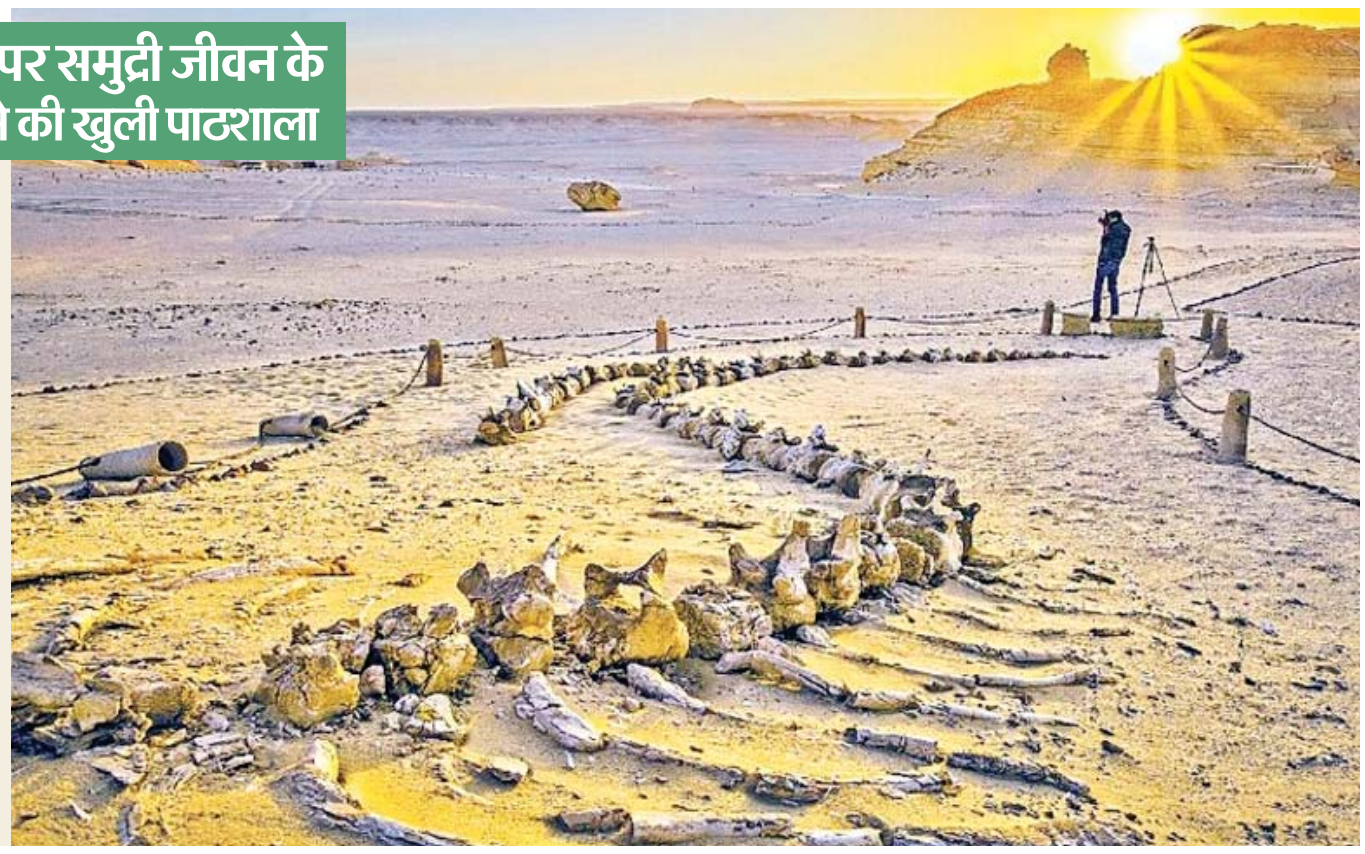

मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में बसा 'वाडी अल-हितान', जिसे व्हेल वैली के नाम से जाना जाता है। प्रकृति और इतिहास का अद्भुत संगम है। यह स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है और इसे पृथ्वी पर समुद्री जीवन के विकास की कहानी को समझने के लिए एक खुली पाठशाला माना जाता है। यहां पर खोजे गए जीवाश्म लगभग 3.7 करोड़ वर्ष पुराने हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि कभी यह विशाल रेगिस्तान समुद्र की गहराइयों का हिस्सा हुआ करता था। सबसे उल्लेखनीय खोजों में से एक है 65 फीट लंबा प्राचीन व्हेल का कंकाल, जो अपने विशाल आकार और संरचना के कारण वैज्ञानिकों और पर्यटकों दोनों को विस्मित करता है।

स्टील किंग मित्तल की कंपनी ने 310 करोड़ में खरीदा लुटियंस जोन में 95 साल पुराना बंगला

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के जाने-माने उद्योगपति और स्टील किंग लक्ष्मी मित्तल से जुड़ी मुंबई की कंपनी जेंटेक्स मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने लुटियंस दिल्ली के एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर एक बंगला 310 करोड़ रुपये में खरीदा है। यह बंगला 1930 में बना था और इसकी गिनती दिल्ली की सबसे आलीशान और ऐतिहासिक प्रॉपर्टीज में होती है। यह सौदा सिर्फ कीमत की वजह से नहीं, बल्कि इस इलाके और बंगले के इतिहास की वजह से भी चर्चा में है। इस 95 साल पुराने बंगले का आर्किटेक्चर और लोकेशन दोनों ही इसे बेहद खास बनाते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी के डायरेक्टर सूर्य कुमार कानोड़िया हैं। हालांकि इस डील पर कंपनी या मित्तल की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लुटियंस दिल्ली का यह इलाका देश के सबसे पॉश, सुरक्षित और प्राइम इलाकों में गिना जाता है, जहां देश के जाने-माने उद्योगपति, राजनेता, और उच्च पदों पर बैठे लोग रहते हैं। इस क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण या मरम्मत करना बेहद कठिन और सख्त नियमों से जुड़ा होता है।

पूछा-पटना में संपत्ति खरीदने के लिए कहा से लाए राशि

भाजपा के निशाने पर जन सुराज के प्रशांत, 9 करोड़ की संपत्ति पर घेरा

पटना, एजेंसी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जहां एनडीए के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, वहीं भाजपा ने भी अब प्रशांत किशोर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर से सवाल पूछा है कि वे पटना में नौ करोड़ की संपत्ति खरीदने के लिए पैसे कहां से लाए? कुंतल कृष्ण ने कहा कि प्रशांत किशोर राजनीति में एक बहेलिया हैं। राजनीति में सवाल करने में कोई दिक्कत नहीं है, सवाल करना स्वस्थ राजनीतिक परंपरा है। लेकिन दूसरों को बेईमान का सर्टिफिकेट देने से पहले उन्हें अपनी ईमानदारी का भी प्रमाण देना पड़ेगा।

नौ करोड़ की संपत्ति का सवाल

भाजपा के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने दावा करते हुए कहा कि प्रशांत किशोर ने पटना में नौ करोड़ रुपये से एक संपत्ति दिसंबर 2024 में खरीदी है। उन्होंने उसके कागजात दिखाते हुए कहा कि प्रशांत किशोर को बताना पड़ेगा कि इस संपत्ति को खरीदने के लिए पैसा कहां से आया? उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि एचडीएफसी के दो अकाउंट, जिसमें एक से आठ करोड़ रुपये और एक अकाउंट से शेष राशि भेजी गई, किसके अकाउंट हैं? उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर झूठ बोलते हैं। भाजपा के नेता ने सीधा सवाल करते

हुए कहा कि प्रशांत किशोर को यह तो बताना होगा कि किस सोर्स से इस संपत्ति को खरीदने के पैसे मिले? कहां से यह पैसा आ रहा है, आप क्या बेच रहे हैं? दो अक्टूबर 2022 से 2 अक्टूबर 2024 तक उनके साथ जो हजारों गाड़ियां घूम रही थीं, उनका खर्च कौन देता था? इन सवालों का जवाब तो उन्हें देना पड़ेगा।

लालू राज चाहते हैं प्रशांत- बीजेपी

कुंतल कृष्ण ने स्पष्ट कहा कि बिहार के युवाओं से दलाली करने की इजाजत हम किसी को नहीं देंगे। उन्होंने साफ कहा कि प्रशांत किशोर की योजना बिहार में जंगल राज की वापसी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर को उन लोगों से पैसा आ रहा है जो लालू यादव और राजद की सरकार चाहते हैं, जिससे फिर से बिहार में लूटमार और भ्रष्टाचार शुरू हो जाए।

पप्पू यादव को जान का खतरा? दो बड़े राजनेता और अधिकारी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अपनी जान को खतरा होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि उनकी ङ्क+ कैटेगरी की सुरक्षा हटाने के पीछे एक बड़ी साजिश है, जिसमें दो बड़े राजनेता और दो बड़े अधिकारी शामिल हैं। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में दावा किया कि उन्हें एक महीने पहले ही वाई+ सुरक्षा दी गई थी, जिसे अचानक हटा लिया गया है। उन्होंने इसके लिए सीधे तौर पर जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को जिम्मेदार ठहराया। यादव ने संजय झा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी (जेडीयू) को बेच रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संजय झा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीतिक संभावनाओं का सौदा कर रहे हैं। सम्राट चौधरी के लिए सत्ता की सीढ़ी बना रहे हैं। सांसद ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ५उसे (संजय झा को) पता है कि मैं किसी भी कीमत पर भाजपा का मुख्यमंत्री नहीं बनने दूंगा, इसलिए मेरी जान का सौदा किया जा रहा है । उन्होंने दावा किया कि उनके रहते सीमांचल, कोसी और मिथिला क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को बड़ा नुकसान होगा। हालांकि, संजय झा या जेडीयू की तरफ से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

प्रियंका के वायनाड दौरे के बाद केरल कांग्रेस में क्लेश, जिला अध्यक्ष का इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कांग्रेस पार्टी ने वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) में एक बड़ा बदलाव करते हुए संगठनात्मक स्तर पर नई नियुक्तियों की घोषणा की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एडवोकेट टीजे इसाक को वायनाड जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष के रूप में तत्काल प्रभाव से नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष ने एनडी अप्पाचन को केरल से एआईसीसी का सह-मनोनित सदस्य नियुक्त किया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने एनडी अप्पाचन को एआईसीसी के सह-मनोनित सदस्य के रूप में नामित किया है और यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। वायनाड जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष एन. डी. अप्पाचन ने पार्टी के स्थानीय नेतृत्व में कथित आंतरिक कलह के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी सूत्रों ने ये जानकारी दी। जब मीडिया ने उनके इस्तीफे के बारे में पूछा, तो अप्पाचन ने कहा कि उन्होंने पार्टी को अपने फैसले से अवगत करा दिया है और अब केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को फैसला करना है कि इसे स्वीकार किया जाए या नहीं।

उन्होंने कहा था , अगर वे इसे स्वीकार करते हैं, तो मैं पद छोड़ दूंगा। अगर वे चाहते हैं कि मैं पद पर बना रहूं, तो उन्हें ऐसा कहने दीजिए। उन्होंने ये भी कहा कि वे डीसीसी अध्यक्ष पद पर बने रहने के 'बहुत इच्छुक नहीं' हैं। इस्तीफे का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे इसका खुलासा नहीं करेंगे। ये कदम कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का वायनाड दौरा खत्म होने के दो दिन बाद उठाया गया है। हालांकि, अप्पाचन को संगठन से अलग नहीं किया गया है। कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें एआईसीसी में सह-मनोनित सदस्य बनाकर सम्मानजनक ढंग से नई जिम्मेदारी दी है। इसे पार्टी के भीतर एक संतुलित कदम के तौर पर देखा जा रहा है ताकि संगठन में असंतुलन की स्थिति पैदा न हो।

ऊर्जा मंत्रालय के रिटायर्ड डिप्टी मैनेजर से 2.28 करोड़ की ठगी

नोएडा, एजेंसी। घर बैठे निवेश कर डबल मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर जालसाजों ने ऊर्जा मंत्रालय के रिटायर्ड डिप्टी मैनेजर से 2.28 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। निवेश करने के तरीके बताने के बाद पीड़ित से 13 बार में रकम ट्रांसफर कराई गई। इस मामले में साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। साथ ही जिन खातों में रकम गई है, उनकी जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-33 में रहने वाले बुजुर्ग ने पुलिस को बताया कि वह भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में डिप्टी मैनेजर के पद से रिटायर्ड हैं। 15 जुलाई को व्हाट्सऐप पर एक लिंक आया। क्लिक किया तो शेयर बाजार में निवेश पर डबल मुनाफे का लालच दिया गया। हां करने पर आरोपियों ने उनको एक ग्रुप में जोड़ दिया।

प्रशासन ने निरस्त कर दिए थोकबंद लाइसेंस

डकैतों से बचने के लिए मिले थे हथियार, अब 'हर्ष फायर' और 'केक' काटने में हो रहा इस्तेमाल

ग्वालियर , एजेंसी

कभी डकैतों के लिए कुख्यात रहे ग्वालियर-चंबल अंचल में सरकारों ने सबसे ज्यादा शस्त्र लाइसेंस दिए थे। डाकू तो खत्म हो गए, बीहड वीरान हो गए, लेकिन हथियार बढ़ते चले गए। अब इन्हीं हथियारों का उपयोग शान ओ शौकत दिखाने, स्टेटस सिंबल बनाने और शक्ति प्रदर्शन में किया जा रहा है। प्रशासन ने सख्त रवैया दिखाते हुए थोकबंद हथियार निरस्त करना प्रारंभ कर दिया है।

ग्वालियर-चंबल अंचल में शस्त्र लाइसेंस का दुरुपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। कभी आत्मरक्षा के लिए जारी किए गए ये हथियार अब शान-ओ-शौकत और स्टेटस सिंबल बन चुके हैं। शादियों से लेकर जन्मदिन और छोटे-छोटे आयोजनों तक में हर्ष फायरिंग और हथियारों का खुलेआम प्रदर्शन आम हो गया है। यही वजह है कि पुलिस और प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी संख्या में शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अकेले ग्वालियर और मुरैना जिले में ही करीब 500 लाइसेंस निलंबित या रद्द कर दिए गए हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा शस्त्र लाइसेंस ग्वालियर-चंबल अंचल में ही हैं। ग्वालियर जिले में करीब 40,000, मुरैना में 30,000, भिंड में 31,960 और दतिया में 17,000 लोगों के पास लाइसेंसी हथियार हैं। यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि प्रदेश में सबसे बड़ा हथियारों का जखीरा इसी अंचल में मौजूद है।

कभी सुरक्षा की थी दरकार

अंचल में हथियार रखने की परंपरा दशकों पुरानी है। कभी यह इलाका डकैतों के खौफ के लिए कुख्यात था। लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए सरकार से हथियार मांगे और हजारों की संख्या में लाइसेंस जारी हुए। लेकिन वक्त के साथ डकैतों की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई, जबकि हथियारों की संख्या बढ़ती चली गई। अब यही शस्त्र शादियों और जश्न के मौकों पर हर्ष फायरिंग का जरिया बन गए। पिस्तौल और बंदूकें अब केक काटने और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की पहचान बन चुकी हैं।

अब दिखावा आसान नहीं

पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि अनावश्यक फायरिंग से कई बार लोग हताहत हुए हैं। ऐसे में पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। वर्ष 2024 में ग्वालियर में 240 लाइसेंस निलंबित किए गए थे, जबकि इस साल अब तक 170 से ज्यादा लाइसेंस निरस्त हो चुके हैं। ग्वालियर रेंज के आईजी अरविंद सक्सेना ने कहा कि पहले आत्मरक्षा के लिए लाइसेंसी बंदूकें दी जाती थीं, लेकिन अब लोग इन्हें शान दिखाने के लिए खरीद रहे हैं और दुरुपयोग कर रहे हैं। यही वजह है कि प्रशासन लाइसेंसधारकों पर कड़ी निगरानी रख रहा है।

प्रदेश सरकार के मंत्री का राहुल गांधी पर निशाना

जवान बहन को बीच चौराहे चुंबन करते हैं नेता प्रतिपक्ष: विजयवर्गीय

शाजापुर, एजेंसी

एक संगोष्ठी में प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने गांधी पर विदेशी संस्कृति अपनाने का आरोप लगाया। विजयवर्गीय ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों और सेना के शौर्य की प्रशंसा भी की। साथ ही, उन्होंने मंदिरों के विकास पर भी बात की। अपने संबोधन में उन्होंने राहुल गांधी पर बहन प्रियंका गांधी को किस करने को लेकर निशाना साधा।

हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां बहन के घर पानी नहीं पीते

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी अपनी जवान बहन को चौराहे पर चुंबन करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे नेता प्रतिपक्ष जवान बहन को भी चौराहे पर चुंबन करते हैं। जबकि हम उस संस्कृति के लोग हैं जहां बहन के घर का पानी तक नहीं पीते। उन्होंने इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताया। विजयवर्गीय ने कहा कि ये संस्कार विदेशी संस्कृति के हैं।

केंद्र सरकार की तारीफ की

विजयवर्गीय ने केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार हर क्षेत्र में विकास कर रही है। उन्होंने बाबा महाकाल, काशी विश्वनाथ और केदारनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिरों के विकास का उदाहरण दिया। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य की भी प्रशंसा की और लोगों से भारत माता की जय के नारे लगवाए। उल्लेखनीय है कि विजयवर्गीय अपने बयानों के लिए अक्सर चर्चा में रहते हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाराज फूफा बताया था।

मेट्रो एंकर कहा - वे इकलौते ऐसे इंसान हैं जिनके लिए उसूलों को ताक पर रख सकती हूं

टॉम क्रूज संग वन-नाइट स्टैंड को तैयार हैं एक्ट्रेस अमीषा पटेल

मुंबई, एजेंसी

गदर- एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों से प्रसिद्धि पाने वाली अमीषा पटेल ने हमेशा अपनी निजी जिंदगी को सुर्खियों से दूर रखा है। 50 साल की उम्र में भी, एक्ट्रेस अविवाहित हैं, लेकिन हाल ही में एक बेबाक बातचीत में उन्होंने प्यार, क्रश और यहां तक कि वन-नाइट स्टैंड के बारे में भी खुलकर बात की। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट पर अमीषा से उनके सेलिब्रिटी क्रश के बारे में पूछा गया और उन्होंने बेझिझक हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज का नाम लिया।

अमीषा पटेल ने कहा, मुझे टॉम क्रूज पर क्रश है। अगर आप उनके साथ पॉडकास्ट कर सकते हैं, तो मुझे जरूर बुलाएं। मुझे बचपन से ही टॉम क्रूज पसंद हैं। मेरे पेंसिल बॉक्स में, मेरी फाइलों में उनकी तस्वीर रहती थी, और मेरे कमरे में सिर्फ टॉम क्रूज का ही पोस्टर होता था। वह हमेशा से मेरे क्रश रहे हैं। मैं हमेशा मजाक में कहती हूं कि वह इकलौते ऐसे इंसान हैं जिनके लिए मैं अपने उसूलों को ताक पर रख सकती हूं। मैं उनके लिए कुछ भी कर सकती हूं। अगर आप मुझसे पूछें कि क्या मैं उनके साथ वन-नाइट स्टैंड कर सकती हूं, तो हां, मैं कर सकती हूं।

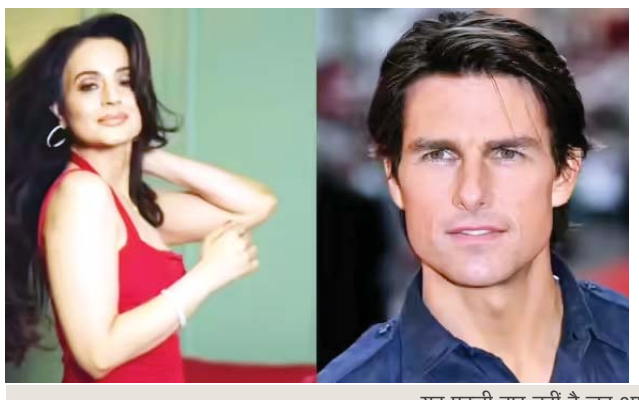

कहो ना...प्यार है से था डेब्यू

अमीषा ने कहो ना...प्यार है से बॉलीवुड में डेब्यू किया और रातों-रात स्टार बन गईं। बाद में उन्होंने बद्री में काम किया और फिर गदर- एक प्रेम कथा से कई अवॉर्ड जीते, जिसने उनके करियर की दिशा बदल दी। इन वर्षों में, उन्हें हमराज, ये है जलवा, गदर 2, वादा, एलान, मेरे जीवन साथी, आप की खातिर।

अमीषा की दीवानगी

यह पहली बार नहीं है जब अमीषा ने टॉम क्रूज को लेकर इतनी तारीफ की हो। कुछ साल पहले एक रेड कार्पेट इवेंट में, जब उनसे पूछा गया कि वह किस एक्टर के साथ काम करना चाहेंगी, तो अमीषा ने मजाकिया लहजे में कहा था कि वह किसी भी ऐसे एक्टर को चुनेंगी जिसने टॉप गन स्टार के साथ काम किया हो। उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर उन्हें मौका मिलता, तो वह उनसे शादी कर लेतीं। एक्ट्रेस ने फिल्मों में आने से पहले अपने पहले गंभीर रिश्ते के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया, %वह मेरा पहला रिश्ता था। लेकिन वह आदमी नहीं चाहता था कि मैं लोगों की नजरों में आऊं। और मैंने प्यार की बजाय करियर को चुना। और भूल भुलैया जैसी फिल्मों में देखा गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564